Vol. II,
No. 20

Saturday
5th July, 1952

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES

Official Report

Hyderabad Legislative Assembly
LIBRARY.
Acc. No.
Class No.
Book No.

CONTENTS

	PAGES
Starred Questions and Answers	1258-1262
Business of the House	1262-1264
L. A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act, 1316 F. (Passed)	1264-1267
L. A. Bill No. XII of 1952, a Bill to Amend the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker's and Deputy Speaker's) Salaries Act, 1952 (Passed) ..	1267-1283
L. A. Bill No. XIII of 1952, a Bill to provide the Allowances of the Chief Minister and other Ministers of State of Hyderabad and matters connected therewith .. (Passed)	1284-1308

Price: Eight Annas.

GOVERNMENT PRESS
HYDERABAD-DN.
1955

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY

Saturday, 5th July, 1952

(TWENTIETH DAY OF THE SECOND SESSION)

The House met at Two of the Clock

[MR. SPEAKER IN THE CHAIR]

Starred Questions And Answers

Mr. Speaker: Let us take up questions

Dubbak Local Unit

*168: *Shri A. Gurva Reddy* (Siddipet): Will the hon. Minister for Agriculture and Supply be pleased to state:

(1) Whether there are any dues to anybody in the Dubbak Local Unit (Siddipet Taluq)?

(2) If so, what is the amount and since what date are they due?

اگریکلچر اینڈ سپلائی منسٹر (ڈاکٹر چنا ریڈی) - جی ہاں - لیکن یہ بقایا کسی خاص شخص سے وصول شدنی نہیں ہے بلکہ لوکل یونٹ سے وصول طلب ہے۔ رقم بقایا جو تقریباً ۱۲۵۰۰ مکہ عثمانیہ ہے وہ سنہ ۳۵۶ف تا ۳۵۹ف کی بابت ہے -

شری گروا ریڈی - کیا یہ صحیح ہے کہ حکومت کے وہ صاحب جنکے ذمہ لوکل یونٹ تھا بھاگ گئے ہیں -

ڈاکٹر چنا ریڈی - میں نے ابھی جواب دیا ہے -

شری کے - وینکٹ رام راؤ (چناکنڈور) - کیا وصولی کی کوئی کارروائی کی جارہی ہے ؟

ڈاکٹر چنا ریڈی - حیدرآباد کمرشیل کارپوریشن جسطرح یونٹس کا حساب دیکھکر کارروائی کرتی ہے اسی طرح عمل کیا جا رہا ہے -

شریمتی لکشمی بائی (بانسواڑہ) - کیا آنریبل منسٹر کو یہ معلوم ہے کہ حکومت لوکل یونٹس کے لئے ۱۲۰۰۰ روپیہ دھڑوت مانگتی ہے، چنانچہ نظام آباد میں مل اونر کے ساتھ ایسا عمل ہوا ہے ؟

(Specific Case) ڈاکٹر چناریڈی ۔ ایسا کوئی اسپیسیفک کیس میرے سامنے نہیں ہے ۔ نوٹس دیجئے ۔

شری سی ۔ ایچ ۔ وینکٹ رام راؤ (کریم نگر) ۔ ایسے کتنے کیسس آنریبل منسٹر کے پاس ہیں ؟

ڈاکٹر چناریڈی ۔ دوبا ٹ (سدی پیٹھ) کا ایک ہی کیس ہے ۔

श्री. माणिकचंद पहाडे (फुलम्री) : लोकल युनिटस के रुपये बाकी क्यों हैं ?

ڈاکٹر چناریڈی ۔ پیسے نہیں تھے اسلئے باقی ہیں ۔

श्री.माणिकचंद पहाडे : क्या कॉरपोरेशन के पास उस वक्त पैसे नहीं थे ?

ڈاکٹر چناریڈی ۔ عام طور پر لین دین میں ایسا ہوتا ہی ہے ۔ لکھ پتی اور کروڑ پتی بھی ایسا کرتے ہیں ۔

شری جی ۔ راجہ رام (آرمور) ۔ مجھے اس سلسلہ میں کچھ کہنا ہے ۔ آنریبل منسٹر نے یہ کہا کہ بڑے بڑے ساہوکاروں کے پاس بھی ایسا ہوتا ہے ۔ تو کیا کمرشیل کارپوریشن بھی کوئی ساہوکاری دھندہ ہے ؟

ڈاکٹر چناریڈی ۔ آنریبل ممبر کو سوچ کر نتیجہ نکال لینا چاہئے ۔

شری کے ۔ وینکٹ رام راؤ ۔ کیا کمرشیل کارپوریشن کے حسابات کا ابھی تصفیہ نہیں ہوا ؟

ڈاکٹر چناریڈی ۔ ہورہا ہے ۔

شری کے ۔ وینکٹ رام راؤ ۔ کتنا وقت لگے گا ؟

ڈاکٹر چناریڈی ۔ میں سمجھتا ہوں کہ بہت تھوڑے ہی عرصہ میں تصفیہ ہوجائیگا ۔

Mr. Speaker . Let us proceed to the next question.

Backward Classes

*307. *Shri Narendra* (Karvan) : Will the hon. Minister for Social Service be pleased to state :

(1) Whether a list of backward classes has been prepared by the Government ?

(2) If so, what is the number of classes included in the list ?

(3) What steps have been taken or are proposed to be taken by the Government to ameliorate the lot of backward classes economically, socially and educationally ?

मिनिस्टर फॉर सोशियल सर्विस (श्री. शंकरदेव): प्रश्नके प्रथम विभाग का अुत्तर है. जी हां। सरकार ने बिछडी जातियों की नामावली तयार की है।

(२) जिसमें शेडयुल्ड ट्राबिब्स अर्थात् वन्य जाती ९, शेडयुल्ड कास्ट्स् ३२, और बॅकवर्ड क्लासेस ५३ हैं।

(३) जिन बिछडी जातियोंके आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक प्रगतीके योजनाओं को तयार करने के लिये सरकार विचार कर रही है। वरंगल में बंजारों की अपलिफ्ट (uplift) के लिये सन १९४६ अि. से काम हो रहा है। और अिनके तांडों में शिक्षा दीजारही है। अिस तरह वेल्फेअर कोआपरेटिव्ह ऑरगनाअिजेशन और रीहॅबिलिटेशन का काम हो रहा है। अिस प्रकार नलगुंडे जिले में भी काम किया गया है। बाकी जातीयों के सिलसिले में सरकार सोंच रही है।

श्री. नरेंद्र (कारवान): जो नामावली तयार की गई हैं क्या अिस की तयारी में आनरेबल मिनिस्टर ने अिन क्लासेस के लोगों की सहायता ली है?

श्री. शंकरदेव: हमारी दृष्टी में बॅकवर्ड क्लासेस के जो अच्छे अच्छे नुमायंदे थे अुनको बुलाया गया और हर बॅकवर्ड क्लास के रिप्रझेंटेटिव्हज और सेन्सस कमिशनर अिस नामावली कमेटी में मौजूद थे। जिन्होंने यह नामावली बनाओी है। अगर कोओी व्यक्ति यह चाहे कि अिस नामावली में किसी और को भी लिया जाय तो अिस पर विचार किया जायेगा।

श्री. नरेंद्र: क्या आनरेबल मिनिस्टर बतला सकते हैं की अिनकी शिक्षा के संबंध में क्या काम किया गया है?

श्री. शंकरदेव: अभी अभी नामावली तयार की गई है। क्या क्या शिक्षा दी जायगी, अिस पर और युनिव्हर्सिटि शिक्षा पर भी विचार किया जा रहा है। जब यह निश्चित हो जायगा तो अिस के अनुसार काम किया जायगा। युनिव्हर्सिटी को आर्डर भी चले गये हैं।

श्री. नरेंद्र: अिनके लिये कितना फंड बजेट में रखा गया है?

श्री. शंकरदेव: आप स्वयं जानते हैं कि अिस साल स्टेट का बजेट डेफिसिट में जा रहा है। अिस लिये अिस वर्ष गवर्नमेंट ऑफ अिंडिया पर निर्वहण है।

شری ویر بندر پاٹیل (آلند)- یونیورسٹی میں کتنے پرسنٹیج سیٹس انکے لئے رکھے گئے ہیں ؟

श्री. शंकरदेव: अभी अिस का तसफिया नहीं हुआ।

شری لکشمن کونڈا (آصف آباد - عام) - گورنمنٹ سرویسیس میں کیا انکے ساتھ خصوصی سلوک کیا جائیگا اور کتنی سیٹس ان کے لئے ریزرو کی گئی ہیں ؟

श्री. शंकरदेव: अिस के बारे में गवर्नमेंट सोंच रही है।

श्री. नरेंद्र: क्या यह सही है कि आनरेबल मिनिस्टर के पास भारत सरकार से सर्क्युलर आया है कि बॅकवर्ड क्लासेस को मुलाजमत में १२ प्रतिशत सीट्स दिये जायें और अिस सर्क्युलर की बिना पर आनरेबल मिनिस्टर से प्रार्थना भी की गओी थी, लेकिन अुसे अस्वीकार किया गया?

श्री. शंकरदेव : बॅकवर्ड क्लासेस के संबंध में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने कोई ऑर्डर्स नहीं दिये हैं बल्कि जो कुछ आर्डर्स हैं वे शेड्युल्डकास्ट के बारे में हैं।

شریمتی لکشمی بائی - جو اسکالرشپ دیتی ہے کیا اس میں کچھ نمائندے بیاک ورڈ کلاسس کے بھی ہیں ؟

श्री. शंकरदेव : न तो स्कॉलरशिप दिया जाता है और न तो कमेटी है।

شری مادھو راؤ لیکر (ہنگولی - محفوظ) - بیاک ورڈ کلاسس کے لئے آنریبل منسٹر نے جو کمیٹی بنائی ہے کیا اسکے پروگرام کے بارے میں مشورہ کے لئے ان کلاسس کے نمائندوں کو بھی لیا گیا ہے ؟

श्री. शंकरदेव : अगर अुत्तर ध्यान से सुनते तो अवश्य अिसका जवाब मिलचुका होता।

شری وی - ڈی - دیشپانڈے (اہاگوڑہ) - آنریبل منسٹر کا جواب تھا کہ اچھے اچھے لوگوں سے مشورہ لیا گیا - اچھے اچھے لوگوں سے آنریبل منسٹر کا کیا مطلب ہے ؟

श्री. शंकरदेव : मैं ने कहा था कि बॅकवर्ड क्लासेस के रिप्रेजेंटेटिव (Representative) सेन्सेस कमिश्नर और गवर्नमेंट आफिसर्स ने यह काम किया है ।

شری لکشمن کونڈا - آئندہ انکے حقوق کی حفاظت کے لئے کیا ایسی صلاح کار کمیٹی بنائی جائیگی جس میں بیاک ورڈ کلاسس کے بھی نمائندے ہوں ؟

श्री. शंकरदेव : मैं अिस सजेशन का स्वागत करता हूँ ।

شری ویریندر پٹیل - بیاک ورڈ کلاسس کے ریپریزنٹیٹیوز (Representatives) کون ہیں اور انہیں کسنے طئے کیا ہے ؟

श्री. शंकरदेव : यह बात म्युच्युअली (Mutually) डिसाइड की गअी है। यह सवाल अैसा है कि बॅकवर्ड क्लासेस ही अिसे तय करलें। बॅकवर्ड क्लासेस के बारे में तय करने के लिये रिप्रजेंटेटिव्ज बुलाये गये हैं; और रिप्रजेंटेटिव के लिये बॅकवर्ड क्लासेस को देखना पडता है। अिस लिये यह प्रश्न अैसा है कि खुद अपने अूपर ही अपने को समाप्त करता है।

شری وی - ڈی - ڈشپانڈے - بیاک ورڈ کلاس کے ریپریزنٹیٹیوز بلانے کے بعد کیا انہوں نے یہ بتلایا کہ اور بھی بیاک ورڈ کلاسس ہیں ؟

श्री. शंकरदेव : अिन्होंने बताया भी है और मैं ने सजेशन्स मांगे भी हैं जिन्हें गवर्नमेंट मानने के लिये तयार है।

شری کے - وینکٹ رام راؤ - پولیس ایکشن سے پہلے بیاک ورڈ کلاسس کی لسٹ بنائی گئی تھی - کیا یہ وہی لسٹ ہے ؟

श्री. शंकरदेव : अिस से भिन्न है।

श्री. नरेंद्र : जिस नामावली का अभी आपने जिकर किया था क्या वह पढ़कर सुना सकते हैं ?

श्री. शंकरदेव : यह ५३ जातीयों की लंबी लिस्ट है, पढ़ने में देर होगी।

श्री. नरेंद्र : क्या वही लिस्ट है जो समाचार पत्रों में आजी थी?

श्री. शंकरदेव : जी हां ।

شری داجی شنکر (عادل آباد) ۔ کیا گونڈوں کے لئے بھی کوئی اسکیم ہے ؟

श्री. शंकरदेव : यह शेड्युल्ड कास्टस ट्राइब्स में आते हैं जिनके लिये भी स्कीम है ।

شری داجی شنکر ۔ اور لمباڑوں کے لئے ؟

श्री. शंकरदेव : यह फेहरिस्त शाया हुवी है। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया बॅकवर्ड क्लासेस की लिस्ट तयार करती है; किसी स्टेट गवर्नमेंट नहीं करती। जिस बारे में मै ने जो प्रेस नोट भेज दिया है जिस को रेफर कीजिये। यह प्रेस नोट गवर्नमेंट ऑफ इंडिया को भी भेजा गया है। वह नोटिफाय करेगी।

شری ڈرائن راؤ نر سنگ راؤ (بلولی) ۔ بیاک ورڈ کلاسس کا کرائٹیریں (Criterion) کیا ہے ؟ کیا دھوبی حجام بھی اسی لسٹ میں آتے ہیں ؟

श्री. शंकरदेव : बॅकवर्ड क्लासेससे मुराद ऐसी जातियां है जो कलचरली और अेच्युकेशन की बहुत जियादा बॅकवर्ड न हों। असल में बॅकवर्ड क्लासेस गलत फहमी पैदा करने वाला शब्द है। बॅकवर्ड क्लासेस में तीन जातीयां आती हैं। अेक वह है जो सांस्कृतीक दृष्टि से पीछे है । वह हैं वन्य जातीयां जिनको शेड्युल्ड ट्राइब्स कहा जाता है। अेक वह हैं जो सामाजिक दृष्टि से बिछडे हुवे हैं । वह हैं शेडयुल्ड कास्टस् जिनको अछूत जातीयां कहा जाता है। अेक वह हैं जो संस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से बहुत जियादा बिछडी नहीं हैं बल्कि जिनकी तालिमी और आर्थिक हालत पीछे है, जिनको बॅकवर्ड कहा जाता है । अिन में ५३ जातीयां हैं ।

Mr. Speaker : When the list is published in the Gazette, the hon. Member will be in a position to know who belong to backward classes.

شری جی ۔ ھنمنت راؤ (ملگ) ۔ کیا بیاک ورڈ کلاسس کے لئے بھی کوئی ری ہیلیٹیشن اسکیم (Rehabilitation Scheme) ہے ؟

श्री. शंकरदेव : बॅकवर्ड क्लासेस के लिये रीहॅबिलिटेशन स्कीम (Rehabilitation Scheme) नहीं है।

Mr. Speaker : Next Question, Shri L. B. Konda.

Loans by Government

*282. *Shri Lakshman Konda*: Will the hon. Minister for Rural Reconstruction be pleased to state:

(1) Whether a demand has been made continuously since a long time by the Hyderabad Hand Loom Weavers' Central Co-operative Association Ltd., to the Government for either advancing a loan to the extent of Rs. 30,00,000 or to stand as security with the Banks for loans to the above extent?

(2) If so, what steps have the Government taken in this regard?

رورل ریکنسٹرکشن منسٹر (شری دیوی سنگھ چوہان) - پہلے حصہ کا جواب یہ ہے کہ گورنمنٹ کے پاس ایسے ڈیمانڈس آرہے ہیں - دوسرے حصہ کا جواب یہ ہے کہ گورنمنٹ اس پر غور کر رہی ہے -

شری لکشمن کونڈا - ڈیمانڈس (Demands) آکر کتنے مہینے ہوئے؟

شری دیوی سنگھ چوہان - مہینہ ڈیڑھ مہینہ ہوا ہوگا -

شری لکشمن کونڈا - کیا یہ صحیح ہے کہ ایسے ڈیمانڈس آکر چار چھ مہینے ہوئے ہیں اور یہ تحریری طور پر دئے گئے ہیں ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اخبار میں ایسے اسٹیٹمنٹس (Statements) آئے ہونگے -

شری لکشمن کونڈا - میں نے خود آنریبل منسٹر کو تحریری طور پر دیا ہے -

شری دیوی سنگھ چوہان - ریگولر پروسیجر (Regular Procedure) کے تحت آفس کی طرف سے آکر دو مہینے ہوئے ہیں -

श्री. नरेंद्र : क्या जिसमें पहले भी गवर्नमेंट की जानिब से कर्ज़ के तोर पर रकम लीगाई है ?

شری دیوی سنگھ چوہان - اس سے پہلے مارکیٹنگ کوآپریٹیو ڈیولپمنٹ فنڈ (Marketing Co-operative Development Fund) سے ساڑھے بارہ لاکھ روپیہ مختلف تواریخ میں ویورس اسوسی ایشن (Weavers' Association) کو دئے گئے - اور گورنمنٹ کے فینانس ڈپارٹمنٹ سے ساڑھے تین لاکھ روپیہ دئے گئے - اسکے علاوہ کوآپریٹیو ڈومینین بنک جو گورنمنٹ بنک تو نہیں ہے لیکن جو کوآپریٹیو ڈپارٹمنٹ کا ایک جزو ہے اس میں سے ۵ لاکھ روپیہ دئے گئے اور اب تک مارکٹنگ ڈیولپمنٹ فنڈ کو ساڑھے بارہ لاکھ اور کوآپریٹیو ڈومینین بنک کو ڈھائی لاکھ واپس کئے گئے ہیں -

شری لکشمن کونڈا - کیا یہ صحیح ہے کہ کسی سال زائد از ۳۰ ہزار سود دیا گیا ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - ۳۰ ہزار روپیہ ؟ ایک تاریخ کو (۸۱۶۶-۱۰-۸) سود وصول ہوا اور دوسری تاریخ پر (۵۰-۵۰۰) روپیہ سود وصول ہوا ؟

श्री. नरेंद्र : कर्जा देते वक्त किन किन उमूरका लिहाज रखकर दिया जाता है?

شری دیوی سنگھ چوہان - ویورس کے کوآپریٹیو انشورنس کے موومنٹ کو بڑھانے کے لئے دیا جاتا ہے -

شری پاپی ریڈی (ابراہیم پٹن - عام) - پریس نوٹ نمبر ٥ میں جو وجوہات بتائے گئے ہیں کیا اس میں یہ بھی بتایا گیا ہے کہ قرضہ کیوں نہیں دیا جاتا ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اس پریس نوٹ میں وجوہات نہیں بتائے گئے ہیں کہ قرضہ کیوں نہیں دیا جاتا - صرف اس میں یہ کہا گیا ہے کہ گورنمنٹ اس پر سوچ رہی ہے -

श्री. नरेंद्र : क्या जिस कम्युनिके में यह नहीं कहा गया है कि अकसात बाकायदा वसूल नहीं हो रहे हैं ?

شری دیوی سنگھ چوہان - جدید قرضے جو تین چار مرتبہ دئے گئے ہیں انکے اقساط اور ریٹس آف انٹرسٹ الگ الگ ہیں - ان میں سے ڈھائی لاکھ قرضہ واپس ہوا ہے اور سود کے طور پر (۸۰۰۰) روپیہ ملے ہیں - باقی انٹرسٹ کے انسٹالمنٹس (Instalments) ڈیو (Due) ہیں -

شری لکشمن کونڈا - فینانس ڈپارٹمنٹ سے جو رقم دیگئی تھی اس کا کتنا سود دیا گیا ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اس کے لئے نوٹس کی ضرورت ہے -

شری لکشمن کونڈا - کیا یہ صحیح ہے کہ کوآپریٹیو کا سال جون میں ختم ہوتا ہے اور اسکے بعد پے منٹ ہوا ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - کوآپریٹیو ایر (Co-operative year) جون میں ختم تو ہوتا ہے - لیکن یہ قرضہ جات مختلف اٹیمس کے تحت دئے گئے ہیں - یہ سوال اصلی سوال سے کوئی سمبندھ نہیں رکھتا -

شری لکشمن کونڈا - کیا آنریبل منسٹر کے پاس اس کا کوئی ریکارڈ ہے کہ کوآپریٹیو اسوسی ایشن نے شرائط کی خلاف ورزی کی ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - یہ سوال متعلق........

Mr. Speaker : The point is, questions should be put only to get information and not to cross-examine. I want to bring this fact to the notice of the hon. Members.

Shri Papireddy : Press Note, May 17, 1952, is as follows :

"Steps are being taken to assess the financial position of the Association in order to ascertain whether the Association will be able to meet its liabilities as the Association has not made any payments towards principal and interest. It will not be possible to advance further loans to the Association unless it is established that the amounts advanced are being judiciously spent and profitably invested".

کیا اسکے بارے میں منسٹر صاحب صراحت کرینگے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اسکے بارے میں آنریبل ممبر کیا وضاحت چاہتے ہیں ؟

شری وی - ڈی - ڈیشپانڈے - یہ بتایا جائے کہ جو خرچ ہو رہا ہے وہ جوڈیشیلی (Judiciously) ہورہا ہے یا نہیں ؟

Mr. Speaker : That is the hon. Member for Ibrahimpatan's question.

شری پاپی ریڈی - اس پریس نوٹ میں یہ شبہ ظاہر کیا گیا ہے کہ یہ رقم جوڈیشیلی خرچ نہیں ہورہی ہے - میں یہ معلوم کرنا چاہتا ہوں کہ وہ کسطرح خرچ ہو رہی ہے اور اسکے ریزنس (Reasons) کیا ہیں ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اسٹیٹمنٹ میں جو کہا گیا ہے اسپر شبہ کرنے کی ضرورت نہیں ہے - فینانشیل پوزیشن کا اسسمینٹ (Assessment) کرنے کے بعد یہ دیکھا جاتا ہے کہ انکو مزید کتنا قرضہ دیا جانا چاہئے -

شری لکشمن کونڈا - سوال کا دوسرا جزو یہ ہے کہ کیا اسٹپس لئے جا رہے ہیں ؟ آنریبل منسٹر نے جواب میں کہا کہ سوچا جا رہا ہے - اگر سوچا جا رہا ہے تو کب تک سوچا جائیگا ؟

Shri Devi Singh Chauhan : As soon as possible. The matter will be decided.

شری اننت ریڈی (بالکنڈہ) - کیا آنریبل منسٹر یہ بتاسکتے ہیں کہ ویورس اسوسی ایشن کی ممبر شپ کتنی ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اس کے لئے نوٹس کی ضرورت ہے -

श्री. नरेंद्र : क्या दुबारा कर्जा देनेसे पहले पिछले हिसाबात की जांच कर ली जाती है ?

شری دیوی سنگھ چوہان - کافی جانچ کرلی جاتی ہے -

श्री. नरेंद्र : आगे के कर्जे की तमानियत के लिये क्या शरायत मुकर्र किये जाते हैं ?

ShriDevi Singh Chauhan : The matter is under consideration and it cannot be disclosed.

श्री. नरेंद्र : यह बात है तो कम्युनिके निकालनेकी क्या जरूरत थी?

شری دیوی سنگھ چوہان - پبلک میں شکوک و شبہات پیدا ہو رہے تھے - اسلئے پوزیشن کو صاف کرنے کے لئے نکالا گیا ہے -

श्री. लक्ष्मीनिवास गनेरीवाल (रामागुण्डम पेट) : क्या कम्युनिके निकालने कि वजह से अुस असोसियेशन को धक्का नहीं पहुंचा ?

شری دیوی سنگھ چوہان - ایسا نہیں ہوا ہے -

شری لکشمن کونڈا - کیا یہ صحیح ہیکہ کمیونکے میں یہ جو کہا گیا ہے کہ نہ کوئی قسط دی گئی اور نہ کوئی سود دیا گیا ؟ اسکو میں نے چیلنج کیا تھا پیپر میں بھی دیا تھا اور خود آنریبل منسٹر سے بھی ملکر کہا تھا -

شری دیوی سنگھ چوہان - کمیونکے میں جو کچھ کہا گیا ہے وہ بڑی حدتک درست ہے -

شری پاپی ریڈی - مئے سنہ ۵۲ کے پریس نوٹ میں جو اسرٹین (Ascertain) کیا گیا ہے اسکی پوزیشن کیا ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - آنریبل ممبر کے سوال کو نہیں سمجھا -

Shri Papi reddy : I want to know whether for this year the Government has ascertained the liabilities of the Association ?

Mr. Speaker : Does the hon. Member mean for the period of 6 or 7 weeks ?

Shri Papi reddy : Yes.

شری دیوی سنگھ چوہان - ہر ہفتہ میں یا ہر مہینے میں کوآپریٹیو سوسائیٹی کے آفیسر جاکر انسپکشن نہیں کرتے بلکہ سال میں ایک مرتبہ آڈٹ ہوتی ہے -

شری لکشمن کونڈا - کیا گذشتہ تین مہینے کے حسابات کے رجسٹرات آنریبل منسٹر نے دیکھے ہیں ؟

Shri Devi Singh Chauhan : It is not a departmental official audit.

شری پاپی ریڈی - کیا اور بھی کچھ ایسے ویورس اسوسی ایشنس ہیں جنکو حکومت نے مدد دی ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - جو اسوسی ایشنس اس کے ممبرس ہیں وہ ایک یا دو ہزار ہونگے - انکو مدد دیگئی ہے -

श्री. नरेंद्र : क्या यह सही है कि असोसियेशन्स के मेम्बर्स को करजा न देने के सिलसिले म हुकूमतको धमकियां दी गअी हे ?

شری دیوی سنگھ چوھان - اخبارات میں کچھ ایسی باتیں آئی ھیں جن پر حکومت کو غور کرنے کی ضرورت نہیں ھے -

श्री. नरेंद्र : क्या किसी वजेहसे हुकूमत को कम्युनिके निकालनेकी जरूरत महसूस हुअी ?

شری دیوی سنگھ چوھان - اخباروں میں کچھ شبہات کا اظہار کیا جا رہا تھا - انکو صاف کرنے کےلئے کمیونکے نکالا گیا ھے -

شری وی - ڈی - دیشپانڈے - میرا سوال یہ ھے کہ کمیونکے جو گورنمنٹ نے نکالا ھے اس میں صاف صاف لکھا ھے کہ -

" It will not be possible to advance further loans to the Association unless it is established that the amounts advanced are being judiciously spent ".

آنریبل منسٹر سے دریافت کرنا چاھتا ھوں کہ کمیونکے میں " جوڈیشیسلی " کہا گیا ھے - کیا اسکے یہ معنی لئے جاسکتے ھیں کہ لونس (Loans) ٹھیک طرح سے استعمال نہیں کئے جارھے ھیں ؟

Shri Devi Singh Chauhan : I cannot guarantee the authenticity of the statement referred to just now. It is for the Members to form their own opinion.

Shri V.D. Deshpande: It pertains to the hon. Minister's own department, Rural Reconstruction Department. He should be able to throw light on that, when he is making such serious allegations.

Shri Devi Singh Chauhan : The hon. Members can make out from the above for themselves.

Shri Papi Reddy : We only understand that it is not being spent judiciously.

Mr. Speaker : That is a matter of opinion. Time is over. Now let us proceed to the next business.

Business of the House

Mr. Speaker : The next item on the Agenda is third reading of the L. A. Bill-No. IX of 1952, the Hyderabad Abkari (Amendment) Bill of 1952.

Dr. Chenna Reddy: Mr. Speaker, Sir, I would like to make a statement on the floor of the House.

Under circumstances beyond our control, the Government of Hyderabad were sometime back obliged to increase the prices of foodgrains supplied to consumers. Detailed reasons for the same were given in our Press Note, dated 6-6-1952, on the subject. It will be recalled that, although prices were increased, the increase was kept to the barest minimum possible and was so worked out as to cause no increase at all in the prices of millets, which constitute the principal foodgrains consumed by the masses.

Intimation was received from the Government of India subsequently (on 17-6-1952) of a proposal under consideration to reduce the pool prices of wheat. Most of our imported wheat, however, had already arrived by the time this intimation was received, and normally the price reduction offered by the Government would not, under the circumstances, have been of any avail. The matter was taken up again with the Government of India and a request was made that the proposed price reduction should be given effect to retrospectively. The Government of Hyderabad are happy to announce that this request has been acceded to and the Government of India have given their consent to make the price reduction effective from 1st March, 1952.

The benefit of this reduction is being immediately transferred to the consumer and the prevailing prices of imported wheat, which were increased by about 33 per cent, from 8-6-1952, are being reduced by about 8%.

The subsidised price of imported wheat prior to the withdrawal of subsidies used to be I. G. Rs. 14-14-0 per maund. This, after the withdrawal of subsidies, rose to I. G. Rs. 20-8-0 per maund. The new price, information about which has just been received telegraphically from the Government of India, is I.G. Rs. 18-8-0 per maund. The selling price in Hyderabad before the withdrawal of subsidies used to be O. S. Rs. 0-8-0 per seer retail. This was increased to O.S. Rs. 0-10-8 per seer following the withdrawal of subsidies and subsequent enhancement of pool prices of imported foodgrains. The new prices, details of which are being worked out will be finalised in a couple of days and they are likely to be in the neighbourhood of As. 10 per seer. The original increase was 33 per cent. The increase after the proposed reduction will be in the neighbourhood of 25 per cent.

Government's decision regarding the withdrawal of the compulsory lifting of wheat quota from the ration shops has also already been made known to the public.

Mr. Speaker: This should be placed on the table of the House.

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے۔ جو رڈکشن (Reduction) کیا گیا ہے کیا وہ پرمننٹ (Permanent) رہیگا یا ٹمپوریری (Temporary)؟

Dr. Chenna Reddy: Mr. Speaker, Sir, I think there should be no discussion on the statement made by me just now.

Shri V. D. Deshpande: I am asking for information.

Shri G. Rajaram: Will it not be possible for the hon. Minister to supply a copy of the statement?

Mr. Speaker: It is placed on the table of the House. We shall now take up the third reading of L. A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act, 1316 F.

L. A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act, 1316 F.

اکسائز کسٹمس اینڈ فارسٹس منسٹر (شری وینکٹ رنگا ریڈی)۔میں مسودہ قانون آبکاری نشان (۹) بابتہ سنہ ۱۹۵۲ء کی تھرڈ ریڈنگ کےلئے تحریک کرتا ہوں۔

شری پاپی ریڈی۔ مسٹر اسپیکر سر۔ میں اس بل کے بارے میں مباحث سنتا رہا۔ اب یہ بل فائینل اسٹیج پر ہے۔ اس سلسلے میں ہمیں جو آئینی پیچیدگیاں ہونگی انہیں بھی دیکھنا ہوگا۔ ہمیں یہ بھی دیکھنا ہے کہ اڈجوائیننگ پراونیسیس میں کیا عمل ہورہا ہے وہاں کا پوزیشن کیا ہے اور یہاں کا پوزیشن کیا ہے؟.........

مسٹر اسپیکر۔ میں ہاؤس کی توجہ رول (۹۷) کلاز (۳) کی طرف مبذول کرانا چاہتا ہوں۔

Rule 97, clause (3):

"(*a*) On the motion for the third reading of a Bill, only verbal amendments or amendments consequential to the amendments made in the Bill when the Bill was read clause by clause, may be moved."

"(*b*) No notice of such amendments shall be required."

"(4) If the motion for third reading is carried, the Bill shall be deemed to have been passed."

میں سمجھتا ہوں اسکو پیش نظر رکھکر ڈسکشن کیا جائے تو مناسب ہوگا ۔

شری پاپی ریڈی ۔ مسٹر اسپیکر سر ۔ اس بل کی سکنڈ ریڈنگ ہو چکی ہے اور اب یہ تھرڈ ریڈنگ کے اسٹیج پر ہے ۔ اس آخری اسٹیج پر بل میں جو خامیاں ہیں انہیں پیش نظر رکھکر سوچا جائے تو مناسب ہوگا ۔ اس کےلئے ممکن ہے زائدہ وقت لگے ۔ لیکن پوزیشن کلیر ہو جائیگا اور متصلہ پراونسس کا قانون سامنے رکھا جاسکے گا ۔

شری وینکٹ رنگاریڈی ۔ میں اسپیکر صاحب کی توجہ اس جانب دلانا چاہتا ہوں کہ اس وقت خامیوں کے متعلق بحث ہوگی ۔

مسٹر اسپیکر ۔ میں نے پہلے ہی آنریبل ممبر کو اس جانب متوجہ کیا ہے ۔

شری پاپی ریڈی ۔ جب یہ امنڈمنٹ پاس ہوکر عمل میں آئیگا تو اس وقت اسکی ورڈنگس (Wordings) سے جو پیچیدگیاں پیدا ہونگی میں اس بارے میں وضاحت کرونگا ۔ گورنمنٹ کا مقصد یہ ہے کہ الیسٹ لیکر (Illicit Liquor) کو بند کیا جائے ۔ جیسا کہ اس بل سے ظاہر ہوتا ہے اور آنریبل چیف منسٹر کے بیان سے بھی معلوم ہوتا ہے کہ ناجائز شراب تیار کرنے والے کلپرٹ (Culprit) کو زیادہ سزا نہ دی جائے ۔ جو کنویرس (Conveyors) یا ڈرائیورس یا لاری اونرس ہوتے ہیں وہ ۹۰ فیصد معصوم ہوتے ہیں ۔ اگر انکی گاڑی پر کوئی شراب لیجائے تو حکومت انکی گاڑی ضبط کرلیتی ہے جسکے بارے میں ہوسکتا ہے کہ خود انکو اسکا علم نہ ہو ۔ ایسی صورت میں میں حکومت سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ ......

مسٹر اسپیکر ۔ اس اسپیچ کا یہ اسٹیج نہیں ہے ۔ وہ گزر چکا ہے ۔

شری پاپی ریڈی ۔ اس میں ایک پراویژن ہے کہ اونر عدالت میں پروو (Prove) کرے ۔

مسٹر اسپیکر ۔ وہ کلاز ڈسکس ہوچکا ہے ۔ آنریبل ممبرس نے اس پر اپنے خیالات کا اظہار کیا ۔ اب ان ہی چیزوں کو بار بار ریپٹ (Repeat) نہیں کیا جاسکتا ۔

شری پاپی ریڈی ۔ جب سب کچھ ہوچکا تو اب باقی کیا رہا ہے ؟

مسٹر اسپیکر ۔ میں بھی یہی کہہ رہا ہوں ۔

شری پاپی ریڈی ۔ یعنی یہ کہ اب مجھے اجازت نہیں ۔

مسٹر اسپیکر ۔ میں نے آنریبل ممبر کو رول (۹۷) کلاز (۳) پڑھکر سنایا ۔ کسی لفظی امنڈمنٹ کے بارے میں اگر ضروری ہوتو کچھ کہا جاسکتا ہے ۔

Shri Papireddy: Mr. Speaker, Sir, at this stage I only wish to insert a word there and without convincing my hon. Friends.—I do not think it is possible. So before I insert the word, I wish to state the reasons.

Mr. Speaker : What is the particular word that the hon. Member wants to insert ?

Shri Papi Reddy : The provision says that the owner should prove before the Court that he has prevented or taken due care in preventing .....

Mr. Speaker : We have discussed it and it was agreed.

Shri Papi Reddy : If the House is of the opinion that I should not speak .....

Mr. Speaker : It is not a question whether the hon. Member should or should not speak, but it should be relevant, under Rule 97 (3), which I read out just now.

Shri Papi Reddy : I was speaking about a definite word 'prevention'.

Mr. Speaker : It cannot be allowed.

Shri Papi Reddy : Thank you very much, Sir.

شری اے - راج ریڈی (سلطان آباد) - مسٹر اسپیکر سر - کل سے جو بحث ہورہی ہے اسکے متعلق میں نے یہ محسوس کیا جو کارکسی چیز کو لانے کے لئے استعمال ہورہی ہے اسکا منشا' کامن سنس کی رو سے نہیں لیا جاسکتا - کل ہی میں نے ایک پائنٹ آف انفرمیشن کے ذریعہ سکشن (۳۹) کے کلاز (۲) کی جانب توجہ دلائی تھی جس میں کہا گیا ہے کہ 'Other conveyances used in carrying any such article' اس میں (in) کا لفظ استعمال ہوا ہے - اس لفظ کی بجائے دوسرا لفظ رکھنے کے لئے بحث ہوسکتی ہے -

Mr. Speaker : Does the hon. Member think that his remarks are relevant under the Rule which I have read out just now ?

Shri A. Raja Reddy : That is what I am thinking. Your Honour may decide it.

(in) کی بجائے (for) کا لفظ استعمال کیا جائے تو اس سے آنریبل ممبر کا منشا' بھی پورا ہوسکتا ہے - اگر آنریبل منسٹر اسکو مناسب سمجھیں تو اسپیکر صاحب اس کا تصفیہ کرسکتے ہیں -

شری وی - ڈی - دیشپانڈے - میں سمجھتا ہوں کہ یہ ورپل چینج ہے (Verbal Change) -

شری وینکٹ رنگا ریڈی۔ جو لفظ "in" استعمال کیا گیا ہے جب اس سے مفہوم پورا ہو رہا ہے تو اس کی بجائے دوسرا لفظ رکھنے کی ضرورت نہیں ہے - بل میں ("In carrying any such article") رکھا گیا ہے - چونکہ شراب موٹر میں لیجائی جاتی ہے اسلئے یہ لفظ موزوں ہے -

Shri L. K. Shroff (Raichur) : Mr. Speaker, Sir, I wish to submit that the change proposed is not merely a verbal change. 'Used in' is quite different from 'used for.' 'Used for' amounts to carrying generally.

مسٹر اسپیکر - یہ وربل چینج نہیں ہے، اسلئے موو کرنے کی اجازت نہیں دی جاسکتی -

The Question is:

"That L.A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act (No. 1 of 1816 Fasli) be read a third time and passed."

The motion was adopted.

L. A. Bill No. XII of 1952, a Bill to amend the Hyderabad L. A. (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act, 1952.

Mr. Speaker : We shall now take up L. A. Bill No. XII of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker & Deputy Speaker) Salaries Act, 1952.

اس بل میں آنریبل منسٹر کی جانب سے ایک ترمیم پیش ہوئی تھی وہ ترمیم موو کی گئی - اس کے بارے میں یہ کہا گیا تھا کہ اس ترمیم کو ٹھیک طور پر سمجھنے کے لئے اور اس پر امنڈمنٹ پیش کرنے کے لئے موقع دیا جائے ۔اسلئے موقع دیا گیا تھا -

شری بی ۔ ڈی ۔ دیشمکھ (بھوکردن - عام) - میری جانب سے ۱۲ تاریخ کو ایک امنڈمنٹ آیا تھا - اور اس سے پہلے کا ایک امنڈمنٹ ہے - لیکن جو امنڈمنٹ بعد میں بھیجا گیا تھا اسکو پہلے موو کیا جا رہا ہے -

مسٹر اسپیکر - بات یہ ہے کہ اگر یہ امنڈمنٹ (Amendment) منظور ہو جائے تو دوسرے امنڈمنٹ کے لئے کوئی گنجائش نہیں رہتی اور اگر یہ نامنظور ہوجائے تو دوسرا امنڈمنٹ باقی رہتا ہے۔ اسلئے میں پہلے امنڈمنٹ کولے رہا ہوں - جو امنڈمنٹ گورنمنٹ کی طرف سے آیا ہے اس میں شری اے - راج ریڈی جو امنڈمنٹ موو کرنا چاہرے ہیں وہ یہ ہے -

At the end of sub-section (1) of section 4A proposed to be added by amendment No. 3 given notice of by Shri

Jagannath Rao Chanderki to clause 4 of L. A. Bill No. XII of 1952, add the following as paragraph (d) namely :—

'(*d*) And the payment of local rates and taxes of the residence and also payment of charges for the consumption of water for the garden thereof .'

جو اسنڈمنٹ اوریجنل بل کے ذریعہ سے لایا گیا ہے اسکو ملاحظہ فرمائیں تو پوری وضاحت ہوجائیگی ۔ کلاز ۴ (اے) پڑھکر سناتا ہوں ۔

'4 A. (1). The following charges shall be paid by the Speaker in respect of the residence and Government motor car allotted for his use under Section 4.—

(*a*) cost of petrol and oil required for the motor car ;

(*b*) charges for the consumption of electricity and water for the residence except charges for the consumption of water for the garden ; and

گویا اس امنڈمنٹ میں اس فقرہ کے اضافہ کی تحریک کی جا رہی ہے ۔

'And the payment of local rates and taxes of their residence and also payment of charges for the consumption of water for the garden thereof.'

اسکا منشا' یہ ہے کہ اسپیکر کو گارڈن واٹر چارجس بھی ادا کرنا پڑیگا اور میں سمجھتا ہوں کہ امنڈمنٹ پیش کرنے والے آنریبل ممبر کا مقصد بھی یہی ہے ۔ لیکن یہ ترمیم کلاز ۴ ۔ اے سب کلاز (بی) میں

'except charges for the consumption of water for the garden.'

کے الفاظ موجود رہتے ہوئے پیش کی جا رہی ہے اسلئے نا مناسب ہے ۔ ہونا تو یہ چاہئے تھا کہ کلاز ۴ ۔ اے سب کلاز (بی) میں سے وہ الفاظ ڈیلیٹ کئے جاتے اور انکی بجائے ترمیم کے الفاظ بڑھائے جاتے ۔

اس طرح کلاز ۴ ۔ اے ، سب کلاز (۲) کے الفاظ یہ ہیں :-

"All other charges for the maintenance and upkeep of such residence and motor car including the cost of repairs thereof, the salaries and allowances of the driver and cleaner of such motor car, rates and taxes, and all expenditure for the lay-out and maintenance of the gardens included in such residence, shall be borne by the Government."

اسکو بھی ڈیلیٹ کرنا پڑیگا ۔ کیونکہ امنڈمنٹ میں دونوں پراویژنس ہیں ۔ اسلئے یہہ ایڈمسیبل (Admissible) نہیں ہوتا ۔ کیونکہ یہ دونوں اپنی جگہ قائم

رہینگے - اسلئے یہ ان کنسسٹنٹ (Inconsistent) ہے - اسکے ساتھ دوسری بات یہ ہے کہ یہ نگیٹیو (Negative) ہو جاتا ہے - ۴ (اے) کا منشاء یہ نہیں ہے - اسلئے جو امنڈمنٹ نگیٹیو کرتا ہے وہ بھی الڈس ایبل نہیں ہوتا -

شری اے - راج ریڈی - جن چیزوں کی طرف توجہ دلائی گئی ہے وہ چیزیں میرے خیال میں تھیں -

'**All amendments consequential to the amendments passed**'

تھرڈ ریڈنگ کی نوبت پر لائے جاسکتے ہیں - ریٹس اور ٹیکسس کو بھی ڈیلیٹ کیاجائیگا کیونکہ یہ ان کنسسٹنٹ (Inconsistent) ہے - اس کےلئے بعد میں امنڈمنٹ آئیگا - تھرڈ ریڈنگ کے اسٹیج پر ہمیں موقع ملے گا - اور جو نگیٹیو کہا جا رہا ہے وہ ایسا نہیں ہے - مزید یہ کہ ... ہ روپیہ ہم نے جو منظور کئے تھے ان میں ہم نے وہ آئیٹمس جو اب ترمیمی مسودہ کے ذریعہ خارج کئے جا رہے ہیں جمع کئے تھے - اس لحاظ سے وہ نگیٹیو نہیں ہے اور نہ ان کنسسٹنٹ ہے اسلئے میرا یہ خیال ہے کہ وہ الڈس ایبل ہے -

مسٹر اسپیکر - کلاز تو ایک ہی ہے اسلئے اسکے متعلق دوسری چیز پر تو بحث نہیں کی جاسکتی - یہ کانسیکوئنشیل امنڈمنٹ (Consequential amendment) ہے -

شری اے - راج ریڈی - میرا ایک بنیادی عذر ہے - وہ یہ ہے -

'By way of consequential amendment in clause (*b*) of section 4 of the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act, 1952, for the words 'in respect of the maintenance of the residence and the motor car', substitute the following: namely—

"to meet the charges mentioned in sub-section (1) of section 4-A."

صاف ظاہر ہے کہ جو بل پیش کیا گیا ہے اسکے متعلق یہ امنڈمنٹ نہیں ہے بلکہ یہ امنڈ منٹ ایکٹ کےلئے لایا گیا ہے - ایسی ترمیم بطور مسودہ بل علحدہ لائی جاسکتی ہے اور ایسا مسودہ پورے منازل کو طے کئے بغیر اس قسم کے امنڈمنٹ کے طور پر نہیں لایا جاسکتا - اس بارے میں میرا یہ خیال ہے کہ یہ بل کا امنڈمنٹ نہیں ہے بلکہ ایکٹ کا امنڈمنٹ ہے جوکہ یہاں نہیں لایا جاسکتا کیونکہ اسکو پورے منازل طے کرنا پڑتا ہے - اسلئے یہ اوٹ آف آرڈر ہے اور اسکو قطعی رد کرنا چاہئے - میں چاہتا ہوں کہ اس بارے میں آنریبل اسپیکر اپنی رولنگ دیں -

منسٹر فار اینڈ انڈومنٹس (شری جگناتھ راؤ چنڈرکی) - اس وقت آنریبل اسپیکر کے رولنگ دینے کا کوئی سوال نہیں ہے۔ دوسری چیز میں یہ عرض کرونگا کہ کانسیکوئنشیل اسنڈمنٹ کا سوال ھی نہیں ہے - میٹینینس کی وضاحت سکشن (ب) میں تھی جو ریڈنڈنٹ (Redundant) تھی - میں یہ بھی کہنا چاھتا ھوں کہ یہ امنڈمنٹ کوئی خاص اھمیت رکھنے والا یا ایکٹ کو چینج کرنے والا نہیں ہے - میٹننس کے لفظ کو نکال دیا گیا ہے - اسلئے دونوں صورتوں میں کانسیکوئنشیل چینج (Consequential change) کے طور پر اسکو نکال دیا گیا -

شری وی - ڈی - دیشپانڈے - ایک بہت ھی اھم قانونی پوائنٹ ھاؤس کے سامنے آرھا ہے اور اس وقت ھم نے یہ ظاھر بھی کیا تھا کہ جو امنڈمنٹ عین وقت پر آیا ہے اسکے متعلق گھر جا کر دیکھنے کے بعد ھم یہ معلوم کرسکینگے کہ آنریبل لا منسٹر کی طرف سے جو امنڈمنٹ آیا ہے وہ پہلے قانون کے متعلق ھی لایا جا رھا ہے یا نہیں - اور جیسا کہ کل دفعہ ۳ و میں امنڈمنٹ کے بارے میں چرچا ھوئی تو آنریبل منسٹر فار اکسائز نے یہ کہا کہ جو پروسیجر ہے اسکے مطابق فلاں ایکٹ کے فلاں سکشن میں یہ نہیں آسکتا - بلکہ اس کے لئے ایک خاص منزل طئے کرنے کی ضرورت ھوتی ہے - یعنی وہ گزٹ میں شائع کیا جاتا ہے اور ھاوس میں انٹراڈ یوس کیا جاتا ہے پھر امنڈنگ بل کے طور پر آتا ہے لیکن ھمارے پاس جو بل ہے وہ ایسا نہیں ہے - کیونکہ یہ دفعہ نہیں بنایا گیا - گویا ھمارے سامنے دو بل انٹراڈ یوس کئے جارھے ھیں - اسلئے میں سمجھتا ھوں کہ یہ الیگل پراسس (Illegal process) ہے کیونکہ بل کے دوران ڈسکشن میں یہ امنڈمنٹ نہیں ھوسکتا - اسلئے میں چاھتا ھوں کہ آنریبل اسپیکر اس پر اپنی رولنگ دیں -

مسٹر اسپیکر - جو امنڈ منٹ آیا ہے اور اس میں شری اے - راج ریڈی کی جانب سے جو امنڈمنٹ پروپوز کیا گیا وہ چونکہ اسکے دوسرے پرویژن سے ان کنسسٹنٹ (Inconsistent) ہے اور اگر یہ امنڈ منٹ منظور ھو جاتی تو وہ پھر متضاد ھو جاتی - اسلئے میں اسکو اڈمس ایبل (Admissible) نہیں سمجھتا - دوسرا مسئلہ یہ ہے کہ اس پر دو طریقہ سے بحث کی گئی ہے - ایک تو بحث یہ کی گئی ہے کہ اس قانون میں جو امنڈمنٹ

"By way of consequential amendment in clause (*b*) of section 4 of the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act, 1952, for the words 'in respect of the maintenance of the residence and the motor car' substitute the following, namely :—

'To meet the charges mentioned in sub-section (1) of section 4-A,"

ہو رہا ہے وہ کانسی کوینشیل اسٹنٹ ہے ۔ بعد میں چل کر اسپیکر کو اختیار دیا گیا ہے ۔ چونکہ اس سے ان کنسسٹنسی (Inconsistency) ظاہر ہو رہی تھی اور اصل قانون میں اختلاف ہو رہا تھا لہذا اسکو واضح کرنیکی غرض سے یہ اختیار اسپیکر کو دیا گیا ۔ اس لحاظ سے اس ایکٹ کی دفعہ ۴ خود بخود معرض بحث میں آ رہی ہے اور اس قانون کی دفعہ میں کوئی امنڈمنٹ نہیں کیا گیا ۔ اس وجہ سے میں سمجھتا ہوں کہ یہ اعتراض وزن دار نہیں ہے ۔ اس وجہ سے میں اسکو بھی اس امنڈمنٹ کا جز مانتا ہوں ۔ اس لئے اب اسکے بارے میں بحث شروع ہوگی ۔

شری وی ۔ ڈی ۔ دشپانڈے ۔ یہ امنڈنگ بل اسپیکر اور ڈپوٹی اسپیکرس سے متعلق ہے ۔ یہ چھ مہینے پہلے کا ہے ۔ میرا خیال ہے کہ سیالریز ایکٹ اگر اسطرح کوئی امنڈمنٹ آئیگا تو وہ ریگولر نہیں ہوگا ۔ میں سمجھنے سے قاصر ہوں کہ اسکو کسطرح لایا جاسکتا ہے ۔ یہ امنڈمنٹ ایک پرانے ایکٹ کے بارے میں ہے جس کی نہ تاریخ ہے اور نہ اوس کا کوئی عنوان ہے ۔

مسٹر اسپیکر ۔ جس ایکٹ کے لئے یہ امنڈمنٹ لایا گیا ہے اس میں بھی سکشن (۴) معرض بحث میں آتا ہے اس وجہ سے میں سمجھتا ہوں کہ یہ قابل اجازت ہے ۔ جو امنڈمنٹ منسٹر فار لا کی جانب سے پیش ہوا ہے اس پر کسی صاحب کو اپنے خیالات ظاہر کرنے ہوں تو کئے جائیں ۔

شری اناجی راؤ گوانے (پربھنی) ۔ کیا امنڈنگ بل کے امنڈمنٹ پر بحث ہوگی ؟

مسٹر اسپیکر ۔ کلاز ۴ کے امنڈمنٹ پر بحث ہوگی ۔

شری اناجی راؤ گوانے ۔ یہ کہا گیا ہے کہ ۔

"A Bill to amend the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act of 1952."

اور اسکے بعد ۔ کہا گیا ہے ۔

"In line 1 of clause 4 of the said Bill"

یہ سیڈ بل (Said Bill) کونسا بل ہوسکتا ہے ؟ اسلئے جو امنڈمنٹ لایا گیا ہے اسکو بہت ہی کلیورلی ورڈیڈ (Cleverly worded) کیا گیا ہے ۔ اسکی وجہ سے اگر یہ ورڈنگ (In line 1 of clause 4 of the said Bill) ڈیلیٹ کی جائے تو اسکی کسطرح سے توضیح ہوگی اسکو میں ہاؤس کے سامنے رکھونگا ۔

شری گوپال راؤ ایکبوٹے (چادر گھاٹ) ۔ میرے ہاتھ میں جو ایکٹ ہے وہ ۱۹۳۲ع کا حیدرآباد ایکٹ ہے ۔ اور ہم ۱۹۵۲ع کے دور میں ہیں ۔

شری داور حسین (نظام آباد) ۔ " لوٹ پیچھے کی طرف اے گردش ایام تو "

مسٹر اسپیکر - مس [illegible] (Misprint) ہوگیا ہوگا - کرکٹ (Correct) کردیا جائیگا -

*شری اناجی راؤ گوانے - جو امینڈنگ بل ہاؤس کے سامنے پیش کیا ہے اس میں [illegible] اسکے بعد کلاز (۴) یہ ہوگا -

" After section 4 of the said Act, the following section shall be added namely :—

[illegible] (۴) بدل دیا جاتا ہے اور (۴) اے ویسا ھی قائم رکھا جاتا ہے [illegible] بل میں [illegible] کیا گیا ہے - اور پھر ایکٹ کے سکشن (۴) سے

'In respect of the maintenance of the residence and the motor car'

[illegible] انکی بجائے یہ الفاظ رکھے گئے ہیں -

'To meet out the charges mentioned in sub-section(1)of section 4A.'

اسی طرح [illegible] " سیلیریز ایکٹ ۲۵ [illegible] سکشن (۴) ویسا ھی پورے طور پر قائم رکھا گیا ہے - اسکے بعد (۴) اے ایڈ (Add) کیا گیا - اسکے معنی یہ ھیں کہ سکشن (۱) کے لحاظ سے جو الاؤنس (۵۰۰) روپیہ ماھانہ دیا گیا تھا اسکو ویسے ھی قائم رکھنے کےلئے یہ امنڈمنٹ لایا گیا اور جو امنڈمنٹ پیش کیا گیا ہے وہ ممکن ہے بعد میں بجٹ کےلئے لایا جائے - لیکن سکشن (۴) کے تحت جو (۵۰۰) روپیہ الونس [illegible] کو دیا جا رہا ہے وہ اسکے متعلق تھا - اس طرف سے بھی ایک امنڈمنٹ پیش کیا گیا ہے - اگر پہلا امنڈمنٹ پاس ہو اور ممکن ہے پاس ہوجائے تو میں سمجھتا ہوں بعد کے امنڈمنٹ کو پیش کرنے کی کوئی گنجائش باقی نہیں رھیگی - مجھے عرض کرنا ہے کہ (۵۰۰) روپیہ الاؤنس فی ماہ دینے کےلئے کلاز (۴) نکال دیا گیا ہے - اب ٹریژری بنچس سمجھنگے کہ انہوں نے چونکہ ایک مرتبہ (۵۰۰) روپیہ الونس دیا تھا اس لئے اب کم کرنا نہیں چاھتے ، اگر کم کیا جائے تو ٹھیک نہ ہوگا - لیکن اب ہم کو اس پر غور کرنا ہے کہ دوسرے پراونسز میں کیا عمل ہورہا ہے میں نے پہلے بھی کہا تھا کہ مدراس میں ایک ہزار روپیہ تنخواہ اور ڈھائی سو روپیہ موٹر الونس دیا جاتا ہے - دوسرے ڈھائی سو روپیہ جو دئے جا رہے ہیں وہ اسپیکر کو کرایہ کا مکان ہونے کی صورت میں دئے جاتے ہیں اور اگر ھاوس دیا جائے تو ڈھائی سو روپیہ نہیں دئے جاتے - ہمارے پاس اسپیکر کو جو مکان دیا گیا ہے اسکا واٹر ٹیکس اور الکٹرسٹی چارجس زیادہ ہیں - اسکا زیادہ سے زیادہ بار اسپیکر پر ہوگا - اور چونکہ اسکے بعد منسٹرس کے الونس کا بل آنے والا ہے اسلئے خاص طور پر یہ بل پیش کیا گیا ہے - ہم کو اس چیز کے متعلق سوچنا ہے کہ کیا ہمارے قانون کے لحاظ سے اور ہمارے بجٹ کے لحاظ سے اتنی بڑی رقم ہم دیسکتے

---

*Confirmation not received.

ہیں یا دینا ہم پر ضروری ہے ، خصوصاً ایسی حالت میں جبکہ خسارہ کا بجٹ پیش کیا گیا ہے ۔ ایک طرف تو بجٹ کا خسارہ پورا کرنے کے متعلق یہ سونچا جا رہا ہے کہ کس طرح دوسرے ٹیکس لوگوں پر لگائے جائیں تاکہ اس خسارے کو میٹ اوٹ (Meet out) کیا جائے اور دوسری طرف تنخواہ اور الونس کے طور پر ۔ اتنی کثیر رقم دیجا رہی ہے ۔ یہاں کسی پروپوزل کا سوال نہیں بلکہ اکانمی کا سوال ہے ۔ اس طرح سے جو امنڈمنٹ لایا جا رہا ہے کیا ہمارا بجٹ اوسکو برداشت کرسکتا ہے ؟ دوسرے مقامات پر ایک ہزار یا ساڑھے بارہ سو روپیہ دئے جارہے ہیں ۔ لیکن ہم یہاں ۵ سو روپیہ زائد دے رہے ہیں اور ویل فرنشڈ ہاؤس موٹرکار وغیرہ دے رہے ہیں تو ہمارے بجٹ کے پیش نظر اور خاص طور پر خسارہ کے بجٹ کے پیش نظر ایسا عمل ٹھیک نہوگا ۔ ایسی صورت میں جبکہ ہم رقم بچانے کی کوشش کر رہے ہیں ان اخراجات کو کیسے برداشت کرسکینگے ؟ جب مکان مفت دیا جا رہا ہے ، موٹر مفت دی جا رہی ہے موٹر ڈرائیور دیا جا رہا ہے اور میں سمجھتا ہوں کہ دوسرے نوکر جو کام کر رہے ہیں وہ بھی مفت دئے جا رہے ہیں (صرف راشننگ مفت نہیں ہوگی) تو میرے خیال میں ان کے اتنے اخراجات کا بار ہمارے خسارے کے بجٹ پر ڈالنا مناسب نہیں ہوگا ۔ اسکو اور کم کیا جانا چاہئے ۔ جب دوسرے مقامات پر ہم سے زیادہ بجٹ ہونے کے باوجود کم اخراجات عائد کرنے کی کوشش کی جا رہی ہے تو کیوں ہم بھی ویسا نہ کریں ؟ مجھے عرض کرنا ہے کہ (۵۰۰) روپیہ جو دئے جا رہے ہیں اور اسکے متعلق امنڈ منٹ اسطرح سے پیش کیا گیا ہے کہ (Water for the house) ('and water for the garden') کے ٹیکس کا بار بھی عاید نہ ہو تو کیا اس کا بار بھی ساڑھے بارہ سو پانے والے برداشت نہیں کرسکتے ؟ مجھے یہ عرض کرنا ہے کہ ہمیں بازو کے پراوینسس کی مثال کو سامنے رکھنا چاہئے اور اسکو پیش نظر رکھتے ہوئے ٹوٹلی (Totally) امنڈمنٹ کو روائز (Revise) کرنا چاہئے ۔ پہلے اپوزیشن کی جانب سے ڈھائی سو روپئے مینٹننس آف موٹرکار کے لئے دئے جانے کے لئے امنڈمنٹ پیش کیا گیا تھا ۔

آنربل منسٹر نے جو امنڈمنٹ لایا ہے وہ کچھ اس طریقہ سے لایا ہے کہ مجھے انکے برین (Brain) کی تعریف کرنی پڑتی ہے ۔ اس میں شک نہیں کہ انہوں نے اسکو بڑی قابلیت کے ساتھ پیش کیا ہے ۔ لیکن اسکے ساتھ ساتھ میں یہ کہونگا کہ ہمیں اڈجوائننگ پراونسس کا بھی خیال رکھنا چاہئے ۔ یہ اسقدر کلیورلی ورڈیڈ (Cleverly worded) ہے کہ اسکو ہاؤس اگر منظور نہ کرے تو افسوس ہوتا ہے ۔

We have to carefully think over how to amend that amendment.

شری اِدھو راؤ پٹیل (عثمان آباد ۔ عام) ۔ اب جو امنڈمنٹ لایا گیا ہے اوس سے یہ معلوم ہوتا ہے کہ منسٹرس وغیرہ کو بنگلہ موٹر ، فرنشڈ ہاؤس ، پٹرول ، سیلری واٹر چارجس وغیرہ یہ سب کچھ دئے جا رہے ہیں اسکے علاوہ اب منشاء یہ ہے کہ بنگلہ کے گارڈن پر جو چارجس

ہونگے وہ بھی دینا چاہئے - جس اسپرٹ سے یہ امنڈمنٹ لایا گیا ہے اس سے ایسا ظاہر ہوتا ہے کہ ٹریزری سے پیسہ کھینچنے کی کوشش کی جارہی ہے -

شری وی - ڈی - دیشپانڈے - وائینٹ آف انفرمیشن - پہلے مینٹننس کے لئے جو -

Mr. Speaker : Let him continue. He does not want that.

Shri V.D. Deshpande : It is to help him, Sir.

Mr. Speaker : Order, Order. Let him finish his speech. He does not require that information.

شری ادھو راؤ پٹیل - مسٹر اسپیکر سر - لا منسٹر کا یہ مطلب ہے کہ پانی کے چارجس جو آتے ہیں اس کا بار منسٹرس پر نہ پڑے - جب الونس یا سیلری کا بل آتا ہے تو اس وقت بازو کے پراونسس کو نہیں دیکھا جاتا - پہلے جب سیلری و الونس کا بل پیش کیا گیا تھا تو یہ کہا گیا تھا کہ کانگریس اگر سیلری کو کم کرنا چاہے تو اوس وقت ہم طے کرینگے - جب مدراس اور بمبئی میں ایک ہزار روپیہ سیلری اور دو سو پچاس روپیہ الونس دیا گیا ہے تو یہاں کیوں نہیں غور کیا جاتا ؟ یہاں تو مزید خرچہ بڑھانے کی کوشش کی جا رہی ہے اور الونس میں اضافہ کیا جا رہا ہے - جب ڈھائی سو زیادہ مل رہے ہیں تو پچاس ساٹھ روپیہ برداشت کرنے کے لئے آنریبل منسٹرس کیوں تیار نہیں ہیں؟ یہ جو اسپرٹ اس میں ہے واقعی یہ مناسب نہیں ہے، ایسی حالت میں جبکہ ہمارے بجٹ میں ۳ کروڑ کا خسارہ ہے - فینانس منسٹر ایک طرف خسارے کو دور کرنے کے لئے اخراجات میں کمی کرنا چاہتے ہیں اور دوسری طرف الونس کو بڑھانے کی کوشش کرتے ہیں - واقعہ یہ ہے کہ ایسی کوشش عوام اور ملک کے نمائندوں کے لئے افسوس ناک ہے - عوام سے اکانمی کرنے کا وعدہ کیا گیا تھا - کیا سیلریز اور الونس میں اکانمی نہیں ہوسکتی ؟ کیا اکانمی کے یہی معنی ہیں ؟ پیونس (Peons) اور کلرکس کی تنخواہ میں تو کمی کی جاسکتی ہے - لیکن بڑے بڑے لوگوں اسپیکر اور منسٹروں کی سیلری میں کمی کا رجحان نہیں ہے - میں سمجھتا ہوں کہ اگر یہ امینڈنگ بل نہ لایا جاتا تو پچاس ساٹھ روپیہ سے زیادہ منسٹرس کو نقصان نہ ہوتا - صرف گارڈن کے واٹر چارجس کے لئے ۵۰ - ۶۰ روپیہ برداشت کرنا کچھ زیادہ نہیں تھا -

شری وی - ڈی - دیشپانڈے - پہلے کا جو ایکٹ ہے اس میں مینٹننس کی تعریف یہ کی گئی ہے -

"Maintenance" in relation to a residence includes the payment of local rates and taxes and the provision of electricity and water and in relation to a motor car includes the supply of petrol therefor."

جیسے کہ سرچیس جو بنیے کہ وٹر چارجس ، ککرٹ چارجس ، لوکل ریٹس چارجس ہیں۔ جیسے کے دوسرے ٹیکسس ہیں وہ ان کے لئے کیا دیا جاتا ہے۔

شری جگناتھ راؤ چندرکی - میرے پاس اسکے فیگرس نہیں ہیں - کنسرنڈ ڈپارٹمنٹ Concerned Department) سے یہ فیگرس ملسکتے ہیں۔

شری اے - راج ریڈی - مجھے اس ترمیم پر بحث کرتے ہوئے بڑی تکلیف محسوس ہورہی ہے - میں ایک آکورڈ پوزیشن (Awkward Position) میں ہوں۔ یہ جو مسئلہ ہے اس سے متعلق ہے۔ پھر بھی میں یہ تصور کرتا ہوں کہ یہ اسپیکر صاحب کی ذات سے متعلق نہیں ہے بلکہ اوس کرسی سے متعلق ہے - کوئی بھی اوس کرسی پر آسکتا ہے اور جو سکتا ہے اس نقطہ نظر سے ہمیں دیکھنا ہے۔

مسٹر اسپیکر - ویسے ہی میری پوزیشن بھی آکورڈ ہے -

(Laughter)

شری اے - راج ریڈی - مسٹر اسپیکر سر - اس سے پہلے جیسا کہ ایوان کے علم میں ہے ایک بل ہم نے پاس کیا تھا جس میں ہم نے سیلریز اور الونس دونوں منظور کئے تھے - اوس قانون میں کیا کمی تھی کیونکہ یہ امنڈمنٹ لایا گیا۔ اس بارے میں آنریبل منسٹر انچارج نے وضاحت کی ہے کہ یہ پانچ سو روپیہ کن مدات پر خرچ ہونگے - اسکے کلیریفیکیشن (arification) کی ضرورت ہے - اس قانون کو جو اس سے پہلے ہاؤس نے پاس کیا تھا اسکے سکشن ۲ سب کلاز (۳) کو دیکھا جائے تو معلوم ہوگا کہ

"The Speaker shall be entitled to an allowance at the rate of I.G. Rs. 500 per month in respect of maintenance of the residence and Govt. Motor Car."

یہاں پر لفظ " Maintenance " استعمال کیا گیا ہے - اسکے معنوں کو تلاش کرنا پڑیگا - اس میں لکھا گیا ہے کہ -

Section 2 clause (3)-"Maintenance" in relation to a residence includes the payment of local rates and taxes and the provision of electricity and water and in relation to a Motor Car ncludes the supply of Petrol therefor."

اس سے یہ صاف ظاہر ہے کہ پانچ سو روپیہ کن مدات پر خرچ کئے جائینگے - میں سمجھتا ہوں کہ کوئی ابہام نہیں ہے - لیکن امنڈمنٹ لانے کا مقصد کچھ اور ہے - وہ یہ ہے کہ پانچ سو روپیہ کے تحت جو مدات خرچ ہیں ان میں سے تین مدات خرچ کو کم کرکے گورنمنٹ کے تفویض کردیا جائے جیسے کہ گارڈن کے واٹر چارجیس وغیرہ ہیں - باقی مدات پر ان پانچ سو روپیوں کو خرچ کرنا مقصود ہے - چنانچہ ممبر انچارج نے جو ترمیم مسودہ قانون میں لائی ہے اسکا ڈرافٹ اس طرح مرتب کیا گیا ہے کہ ۵۰۰ روپیہ کی سابقہ منظوری کو باقی رکھا گیا ہے اور پانچ سو جن مدات پر خرچ ہوتے تھے ان

میں سے چند مدات کو نکال دیا گیا ہے ۔ اس میں ضرور انجنیوٹی (Ingenuity) ہے۔ ان مدات کے لئے رقم کا زائد مطالبہ کرنے کی غرض سے یہ طریقہ اختیار کیا گیا ہے۔ بالفاظ دیگر مطلب یہی ہوا کہ زائد الوتس منظور ہو ۔ گویا جن مدات کو اس میں سے خارج کرنا مقصود ہے انکا خرچ برداشت کرنے کےلئے تیار نہیں ہیں ۔ اس طرح ۵ سو کو جوں کا توں باقی رکھکر ان مدات میں سے چند مدات کو خارج کردیا گیا ہے ۔ شائد اس خیال سے کہ اس سے قبل منظور شدہ رقم (۵۰۰) کو زیر بحث نہ لایا جاسکے ۔ لیکن یہ خیال غلط ہے کیونکہ سابقہ منظور شدہ (۵۰۰) کے کنٹنٹس (Contents) اور اس وقت کے (۵۰۰) منظور شدنی کے کنٹنٹس میں فرق ہے۔ امنڈمنٹ میں یہ بے ضابطگی ہے کہ اصل ایکٹ میں ترمیم لائی گئی ہے ۔ اصل ایکٹ میں ترمیم کی ضرورت ہوتو میں صاف طور پر کہونگا کہ وہ بطور ترمیم مسودہ نہیں آسکیگی بلکہ مسودہ ترمیم قانون کے طور پر علحدہ آسکیگی ۔

شری جگناتھ راؤ چنڈ رکی ۔ کیا متعلقہ رولس پر بحث ہوسکتی ہے ؟

شری اے ۔ راج ریڈی ۔ میں کسی اور خیال سے نہیں کہہ رہا ہوں ۔ سمجھنے اور خیالات کو صاف کرنے کے لئے کہہ رہا ہوں ۔ میرا خیال یہ ہے کہ جب مسودہ تھرڈ ریڈنگ کےلئے پیش ہو اس میں کانسی کوینشیل امنڈمنٹ لاسکتے ہیں ۔ اسکے معنی یہ نہیں ہیں کہ اصل ایکٹ میں ترمیم لائی جائے ۔ کیا پراویژنل رولس میں اسکی گنجائش ہے ؟ امنڈمنٹ کے ذریعہ جو چیز ہاؤس کے سامنے لائی گئی ہے اس کا مقصد یہ ہے کہ پانچ سو روپیہ جن مدات کےلئے منظور کئے گئے تھے ان میں سے تین مدات کو خارج کردیا جائے ۔ در اصل ہاؤس کے سامنے یہ چیز لانی چاہئے تھی کہ ان پانچ سو روپیوں کے تحت جن مدات پر خرچ عائد ہوتا ہے کیا ان مدات پر خرچ کرنے کےلئے پانچ سو روپیہ کافی نہیں ہیں ۔ اگر کافی نہیں ہیں تو کن مدات خرچ کےلئے کمی ہو رہی ہے اور اس میں مزید کسقدر اضافے کی ضرورت ہے ۔ ان تفصیلات کو ہاؤس کے سامنے لانا چاہئے تھا ۔ سابقہ بل کو منظور کرتے وقت یہ کہا جاتا تو اچھا تھا کہ پانچ سو روپیہ پورے مدات کے لئے کافی نہیں ہوتے ۔ جب ٹریژری بنچس کوئی بل یا مسودہ منظور کروارہے ہیں تو اسکی پوری تفصیلات ہمارے سامنے آنی چاہئیں ۔ یہاں جن مدات کے لئے (۵۰۰) روپئے طلب کئے جا رہے ہیں اسکی تفصیل ہاؤس کے سامنے صاف طور پر لانے میں کوئی قباحت نہیں ہے ۔ ہمارا مقصد یہ نہیں کہ الوتس کم کرکے پریشان کریں ۔ ہماری حیثیت تو واچ ڈاگ (Watch dog) کی ہے ۔ ہم چاہتے ہیں کہ ہمارے ایک ایک پیسہ کا واجبی صرفہ ہو ۔ میں سمجھتا ہوں کہ آنریبل ممبرس آف دی ٹریژری بنچس بھی اسکو پسند کرینگے ۔ اس وقت مجھے اسی قدر عرض کرنا ہے ۔

* श्री. लक्ष्मीनिवास गनेरीवाल : स्पीकर सर, मैं देख रहा हूं कि जो बिल जिस वक्त पेश है जिस पर तीन दिनसे बहस जारी है। जिस पर कितना सरफा हुआ जिसका मैं ने

*Confirmation not received.

हिसाब लगाया तो मालूम हुआ कि ५,३८३ रुपया ८ आने खर्च हुअे [illegible] आया है, अगर हम अिसको कबूल करलें तो अिस पर सिर्फ ३,००० का खर्चा [illegible] हम अिस ३,००० पर बहस करने के लिये (५,३८३-८-०) रुपये खर्च करते हैं [illegible] अहमियत न देनी चाहिये। अिस पर जो अमेंडमेंट लाया गया है वह हाउस को [illegible] देने से मुताल्लिक है। अिस रकम के लिये जितने अग्रीमेंट्स (Agreements) [illegible] हैं। मगर यह दृष्टि में नहीं रखा जाता कि अिन्हें २४ घंटे काम करना पड़ता है [illegible] नहीं रहता। मैं अपोजिशन के लिडरों से दरख्वास्त करूंगा कि वे अपना अमेंडमेंट वापिस ले और हालात को अिसतरह देखें।

*شری رکھبی جی ڈھونڈیا پٹیل (آشٹی)۔ مجھے جو کچھ کہنا تھا اس میں سے [illegible] شری [illegible] جی نے کہدیں ۔ میں اسی کی کچھ باتیں اضافہ کرکے [illegible] ۔

اپوزیشن [illegible] کہتے ہیں کہ اخراجات کم کریں ۔ اس کےلئے مدراس اور بمبئی کا حوالہ [illegible] ہے ۔ وہاں کم زیادہ ہے اور اسپیکر اور ڈپٹی اسپیکر کو تنخواہ یا الونس [illegible] ہے ۔ وہاں [illegible] ہوتا ہے اسکے متعلق اپوزیشن بنچس غور نہیں کرتے ۔ ہمارے [illegible] ہوتے ہیں ۔ اسکے اخراجات کو دیکھا جائے تو [illegible] ہوتا ہے ۔ [illegible] سوچنے کی بات ہے ۔ ہم لوگ [illegible] ہاؤس میں آتے ہیں ۔ ہم کو تو [illegible] کے معزز رکن " خوگیر کی بھرتی " سمجھتے ہیں ۔ ہمارا مشورہ یہ ہے کہ ہر امنڈمنٹ پر زیادہ وقت دینے سے اخراجات میں اضافہ ہوتا ہے ۔ عوامی راج میں یہ ہونا چاہئے ۔ ہماری طرف سے جو بحث نہیں ہوتی اسکی یہی وجہ ہے ۔ ہمارے فینانس منسٹر یا دوسرے منسٹر جب بل یا امنڈمنٹ لاتے ہیں تو اوسے پیش کرنے کے بعد جب ہم تقریر کےلئے کھڑے رہتے ہیں تو ہم کو [illegible] وقت ہوگیا ۔ یہ تو عوامی راج آیا ہے ۔ ہم اخراجات کو سمجھتے ہیں ۔ لیکن ناحق کےلئے کبھی خرچ نہیں کرتے ۔ ہم کو تو " خوگیر کی بھرتی " کہا جاتا ہے ۔ خوگیر [illegible] میں زین کو کہتے ہیں ۔ وہاں ہمارے خوگیر بنانے کےلئے سڑکوں پر ادھر ادھر سے کپڑے کے ٹکڑے جمع کرتے ہیں ۔ اسکی خوگیر بناتے ہیں ۔ اسکے اوپر ایک [illegible] کپڑا ڈالدیتے ہیں ۔ بعد میں بیٹھنے والا سواری کرتا ہے ۔ لگام دیتا ہے ۔ اسی طرح ہمارے عوامی نمائندے جو منسٹرس ہیں انہوں نے ہمارے جیسے ٹکڑوں کو جمع کرکے خوگیر بنایا ۔ اسکے اوپر منسٹروں کا عمل ہوگیا ۔ گھوڑا بھی عوامی راج کا آگیا ۔ قانون کی لگام بھی ہاتھ میں آئی ۔ اس پر بیٹھنے والے چیف منسٹر صاحب ہیں ۔

مسٹر اسپیکر ۔ ہاؤس اس چیز کی نوٹس نہیں لے سکتا کہ کون خوگیر کی بھرتی ہے اور کون نہیں ہے ۔ سب مساوی ہیں ۔

شری رکھبا جی ڈھونڈیا پٹیل ۔ سب لوگ ایک ہی قسم کے ہیں ۔

---

* Confirmation not received.

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے۔ ہم ان کو بھی اتنا ہی اہم سمجھتے ہیں جتنے چیف منسٹر ہیں۔

شری رکھماجی ڈھونڈیا پٹیل۔ آخر میں میں یہ کہونگا کہ اخراجات کو کم کرنے کی کوشش میں وقت صرف ہوجائیگا۔ اگر ایسی ہی کوشش کریں تو ہم خوگیں کی بھرتی والے ہی بل کو منظور کرلینگے۔

شری جی۔ سری راملو (منتھنی)۔ جو امنڈمنٹ اسپیکر اور ڈپٹی اسپیکر کے سیلریز ایکٹ کے لئے لایا گیا ہے اسکو دیکھکر حیرت ہوتی ہے۔ جب ہم دوسرے اخراجات کو کم کرنے کی کوشش کرتے ہیں تو میں نہیں سمجھتا کہ ٹریژری بنچس کی تنخواہوں کو بڑھانے کے لئے کیوں سوچا جاتا ہے۔ ایسا معلوم ہوتا ہے کہ ٹریژری بنچس یہ دیکھنا چاہتے ہیں کہ ہم کہاں تک کٹ موشنس (Cut motions) پیش کرینگے۔ لیکن ہم بھی یہ دیکھنا چاہتے ہیں وہ کہاں تک سادہ زندگی اختیار کرسکتے ہیں۔ اگر ٹریژری بنچس کے ممبرز ارکان اپنی تنخواہوں میں کمی کرلیتے تو اس سے ہمارے (Grow More Food) اور گرو مور پلانٹس (Grow More Plants) کے سکیم کی اچھی خدمت ہو جاتی۔ اسکی بجائے گورنمنٹ کی ٹریژری پر بار ڈالنا اور اسپیکر کی اتنی سیلیری رکھنے کیلئے بل لانا مسائل کی اہمیت کے لحاظ سے کہاں تک درست ہوسکتا ہے؟ جب سے اسمبلی شروع ہوئی ہے ہم دیکھ رہے ہیں کہ ہم اپنے ہی لئے سب کچھ کرلیتے ہیں۔ تنخواہیں، الونسس، بس یہی مسائل رہے۔ میں تو کہونگا کہ اگر کانگریس اور بچانے کے لئے تیار ہے تو ہم اس کے لئے گزر بیٹھنے بھی تیار ہیں بشرطیکہ رولنگ پارٹی خود بخود ضروری مسائل حل کرلے۔ ہم دیکھتے ہیں کہ یہاں آنے کے بعد کوئی خدمت نہیں کرسکتے۔ روزانہ ساڑھے بارہ روپئے لینے کے لئے تیار معلوم ہوتے ہیں۔ ہم تو اس لئے آتے ہیں کہ انہیں سیدھے راستہ پر لگائیں۔ اسی لئے ہمیں آنا پڑتا ہے۔ اس سے پہلے کے سشن کا اگر میں خلاصہ کروں تو یہی ہوگا کہ ۱۸ دن کے الونس پر ساڑھے بارہ روپئے کے حساب سے ۳۲ ہزار روپئے خرچ ہوگئے۔ اور ممبرس کی سیلریز پر ۶۴ ہزار۔ اور اگر اسمبلی کے اسٹاف اور سیکریٹریٹ کو ملالیا جائے تو لاسٹ سشن کا خرچہ ایک لاکھ تک ہوگیا۔ اس دوسرے سشن میں ہم یہ دیکھ رہے ہیں کہ اس خرچہ میں مزید اضافہ کی کوشش کی جا رہی ہے۔ اسکے بعد شائد ایک اور بل آئیگا۔ شائد وہ منسٹرس کی سیلریز اور الونسس کے بارے میں ہوگا۔ اس طرح محض تنخواہوں کے بارے میں ہی بل آتے نظر آتے ہیں۔ میں کانگریس بینچس سے پوچھتا ہوں کہ کیا یہی ہمارے مسائل تھے؟ کیا اور بلس موو ہونے کے مواقع نہیں تھے؟ اگر اسپیکر صاحب (میں اس عہدہ کی عزت کرتا ہوں) بھی اس طرف سوچتے تو ایسا بل لانا نہ چاہتے اور لانے نہیں دیتے۔

مسٹر اسپیکر۔ اسپیکر کا انڈیویجولی (Individually) کوئی تعلق نہیں ہے۔

شری جی [illegible] میں [illegible] ہوسکیں [illegible]
[illegible] Change [illegible] ہوسکے [illegible]
[illegible] کی وجہ سے دوسرے [illegible] - [illegible]
[illegible] سکے جیسی صرح موقع [illegible]
[illegible] دوسرے [illegible] میں آسکتے
[illegible] اسکو محسوس کرکے [illegible] سکے -

چیف منسٹر شری جی [illegible] میں یہ محسوس کرتا ہوں کہ حقیقت میں جو
[illegible] وقت صرف [illegible] ہیں - میں [illegible]
[illegible] ہوں کہ خواہ ہاوس کے نئے [illegible]
[illegible] چھوٹی چھوٹی باتوں پر زیادہ وقت لیا جا رہا ہے
[illegible] کہا کہ بحث کرنے کے لئے موقع بھی نہیں [illegible]
[illegible] میں بحث کے دوران میں اسپیکر اور ڈپٹی اسپیکر کے سیالریز کے
[illegible] (Preliminaries) پر بحث کی گئی ہے - اس میں [illegible]
[illegible] کے [illegible] (Expectation) کو [illegible]
[illegible] ہوسکے [illegible]
[illegible] متعلق [illegible]
[illegible] ہاوس کے [illegible] سمجھتا ہوں [illegible]
[illegible] ۵۰۰ روپیہ مقرر کئے گئے ہیں [illegible] سمجھتا ہوں
[illegible] (Maintenance) میں اور بھی چیزیں شامل کر سکتی
[illegible] چارجس [illegible] چارجس ، الکٹرسٹی چارجس ، گھر کے چارجس وغیرہ
[illegible] گئے ہیں - [illegible] ۵۰۰ روپیہ پر تصفیہ کیا گیا تھا -
[illegible] پانچ سو روپیوں میں تمام چارجس شریک ہیں - آنریبل لیڈر آف
دی اپوزیشن [illegible] ان اخراجات کی تفصیل یہ بتلائی تھی کہ ۱۰۰ گیلن پٹرول کی
قیمت ساڑھے تین سو روپیہ ہوتی ہے - ۴۰۰ روپیہ موٹرکار آئیل وغیرہ کے لئے صرف
ہوتے ہیں - اور تقریباً ایکسو روپیہ الکٹری سٹی چارجس پر آتے ہیں - یہ فیگرس میں
نے آنریبل اپوزیشن لیڈر کو بتلاتے ہوئے انہیں کن ونس (Convince) کرنے
کی کوشش کی تھی - لیکن ان چارجس میں موٹر کی کیپنگ وغیرہ کے چارجس اور ہاؤس ٹکس
شامل نہیں کیا گیا تھا - اسلئے یہ اعتراض کہ اصل ایکٹ میں زیادہ روپیہ شامل کیا
جا رہا ہے، غلط ہے - میرے ایک آنریبل دوست نے کہا کہ ٹیکنیکیلٹیز (Technic-
alities) کو چھوڑ کر صاف صاف الفاظ میں اخراجات بتلائے جائیں - جس وقت
میں نے کلکشن کیا اس وقت تفصیلات بتلائی تھیں اور ۵۰۰ روپیہ اسپیکر کی حدتک
منظور کئے گئے تھے - اس ضمن میں ہاؤس کو یہ بھی لحاظ کرنا پڑیگا کہ جو مکان

مسٹر سپیکر! آنریبل منسٹر کو دیا گیا ہے وہ گورنمنٹ کا ہے اور ملک و قوم کی رقم کی طرف سے ملی نگرانی کی جاتی ہے لہذا ہاؤس ٹیکس دینے کی ذمہ داری منسٹر صاحب پہ ہے میں یہ وضاحت کرنا ضروری سمجھتا ہوں کہ ہم بادشاہ نہیں اصلاح چاہتے ہیں زیادہ روپیہ نہیں چاہیے لیکن جو مدت بن اہم جانب کے عہدے ہیں ان کی ٹھیک ٹھیک وضاحت چاہی جا رہی ہے اس سے بڑھ کر ورکنگ نہیں جاسکتی ہے ٹریول الاؤنس ڈی پی ڈی سب کو یہ حساب لگانا چاہئے گلی ٹرین کے لئے ساڑھے تین سو روپیہ ؟ سال کے لئے ۳ ۴ روپیہ اور روپیہ خرچ ہی خرچ ہوئے ہیں لیکن یہ تفصیلات بتلانے کے باوجود یہ الزام لگایا جاتا ہے یہ ایسے ہی فائدہ کے لئے بل لائے جاتے ہیں لیکن میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ سیشن کے کتنا خرچ ہوئے ہیں اور اسمبلی میں کن ممبروں کو طے کیا جاتا ہے ہم جانتے ہیں کہ ممبروں میں کمی یا زیادتی کی جاتی ہے اور بھی جانتے ہیں اگر ہو سکے تو ممبرس بیسک ویج (Basic Wage) کا بل لائیں تو سکو بھی پاس کیا جاسکتا ہے لیکن میں کہنا چاہتا ہوں کہ ان پر کس (Pin Pricks) دئے گئے ہیں و ممبر طے نہیں ہو سکیں۔ ہاؤس کو یہ سمجھنا چاہیے کہ یہ چیزیں بہت معمولی ہیں اسلئے ان پر اس کو زیادہ وقت صرف کرنا ضرورت نہیں ہے اسلئے مجھے امید ہے موقع ہے کہ اس مرحلہ کے بعد جن ادنیٰ ممبروں کو اعتراض تھا وہ باقی نہیں رہے گا کیونکہ اخراجات میں زیادتی نہیں بلکہ پچھلی غلطی کی اصلاح کی جا رہی ہے اس لئے اس معاملہ کو جلد ختم کردیا جائے تاکہ ہم دوسرے (Mon lay) کے دن دو ۱ بجے تک کام کریں کیونکہ اگر یہ وقت کی جاتی ہے تو فلاں ممبر کے ٹیبل پر لانا وقت ضائع ہوگا۔ اسلئے مجھے امید ہے کہ ہاؤس اس طرح کوئی اعتراض نہیں کرے گا

مسٹر کاشی ناتھ راؤ ڈی دیشمکھ: جیسا کہ آنریبل چیف منسٹر نے بی سی اور ہاؤس کے وقت کے بارے میں فرمایا میں بھی ان کے خیالات سے متفق ہو کر یہ کہونگا کہ اگر ہم اصولی طریقہ سے اس مسئلہ پر سوچیں تو یہ ثبوت ہی ہے کیونکہ پہلی مرتبہ جو بل ہاؤس کے سامنے پیش کیا گیا تھا وہ بھی غور کرنے کے بعد ہی پیش کیا گیا ہوگا گزشتہ سیشن کے وقت جو ملاحظہ رہے اس وقت بھی یہ بتلایا گیا تھا کہ ڈیموکریٹک پرونسس (Adjoining Provinces) کا جو حصہ ہے وہ ہمارے حصہ سے دوگنا ہے لیکن اسکے باوجود انوریبل کی جانب سے نسبتی کمی کرتے ہوئے بطور خاص اس کو منظور کیا گیا تھا جس میں کہ لاسٹ ولر چارجس وغیرہ شریک نہیں تھے ٹیلیفون کا حساب بھی شامل تھا لیکن افسوس ہے کہ ایک مہینہ دو مہینہ بھی نہیں گزرنے پائے کہ اس ایکٹ میں ترمیم کی ضرورت محسوس کی جا رہی ہے میں نہیں سمجھ سکتا کہ اس وقت کونسے ایسے حالات تھے اور اب کیا حالات بدل گئے ہیں میں سمجھتا

س ... محل ... ہمیں ... ندر لکایا جائے تو یاقاعدہ ... وسہ
... ی ہونگے ... صحیح نہ ہو ... وسہ ہونگے اسی طرح د
ے ... جسہ میں ہم سے سامنے ہوتا تو ہم اس پر عور سکیں ہے ...
... سا ہے ... سونکہ جب جیا کسٹکر (Exchequer
... ہے ساتھ ... وسہ اعانہ دست کرتا ہے تو دوسرے معمولی ... جات
... سرسکا نہا ... ہے ... حرام ... کم ہوں ... رہا ... وسرے ... وسں ...
... و ... بسترہ ... دیے ... ہیں و ... ان کے معاملہ میں کم ...
... سرویہ نہ ... ہے ... مس ... جو قانون ماناگیا ... جب فرج ...
... ساگیا ہے ... جو ... سروسں ... مسرس اور سپیکر کےلئے ... قانون
... ہے ... وجہ فورسٹ ... فرسٹ (Well furnished) ھاوس
دی ہے ... سو روپیہ ... مسرس ھاوس کےمعاملہ میں اگر الونس ... دیے ہیں ...
... کا ... سکتا ہے

Mr Speaker This is a repetition

سری بی ... دی دشمکھ ... سکی وصاحب کرنا چاھتا ہوں ... گ
... جائے ... روپیہ لوئس ... ہے ... وسہ ... کےلئے ...
... ہیں

... (-) ... اسکیں کےلئے لاکا ہے ... سکے ... ہیں ... لیا
جاھا ... وسہ ... طرفہ ... ہے اسکو ... بھی ... جاسے

مسٹر اسپیکر ... چار بج چکے ھیں اسلیے ھم ساڑھے چار بجے پھر ملینگے

The House then adjourned for recess till Half past Four of the Clock

The House re assembled after recess at Half past Four of the Clock

[MR SPEAKER IN THE CHAIR]

Mr Speaker We were discussing about the proposed amendments I now call upon the hon Law Minister to reply

سری ... سپیکر سر ... امنڈمنٹ کے روپ ... دوسری
... کی گئی ہے ... ہو رہی ہے اس امنڈمنٹ کے متعلق بعض آنریبل ممبرس
نے ... سپہاب ظاہر کیے ہیں ... آنریبل ... ممبر نے کاں وصاحب نہیں
کی ہے ایک آنریبل ممبر نے یہ بھی کہا کہ یہ امنڈمنٹ ... اور ... کے ساتھ

لایا گیا ہے میں یہ ضرور مانتا ہوں کہ جو امنڈمنٹ (۵) سو روپیہ کا جو سوپ
تھا وہ جو میں نے تھا سکے متعلق امنڈمنٹ لایا کا مسلہ یہ تھا کہ لوس لیلئے
جو (۵) روپیہ دیے گئے ہیں ان میں کمی نہ کیجائے جناب یہ اسی لیے یہ مد سے
لائی گئی ہے اور میں رزیڈنس کے وقت بھی اسکو واضح کیا گیا اس وقت گورنمنٹ نے
ضرورت اس سمجھی کہ (۵) روپیہ لوس غیر معمولی ہے ملنے والا لوس اس
جانا چاہیے گورنمنٹ کا منشا یہ نہیں تھا گورنمنٹ یہ سمجھتی ہے کہ یہ رقم یہ الونس
کے لیے دیا جانا چاہیے اسی لیے یہ امنڈمنٹ منظور کیا ہے گورنمنٹ نے جس کو
کو ضروری سمجھا جہاں رکھا دوسری چیز یہ کہی جاتی ہے کہ جو جتنی بھی مرحلے ہوں
وہ گورنمنٹ دیے جائیں اور نہ تاریخ سو روپیہ نہ دیے جائیں اس سلسلہ میں میں یہ
کہونگا کہ چلے جب یہ بل ہاوس کے سامنے آیا تھا اس وقت یہ مانا گیا تھا یہ گورنمنٹ
کچھ منسٹرس کے انتظامات کررہی ہے الونس اور اس کی یہ بات ہے یہ اسپیکر دیا گیا
تھا کہ پٹرول وغیرہ کے یہ کچھ خرچ ہوسکتے ہیں ان ضرورتوں کو پیش نظر رکھا
یہ ہے اس لیے یہ امنڈمنٹ لایا جارہا ہے اور یہ اخراجات یہ تاریخ سو سے میٹ (Meet)
کیے جارہے ہیں اس لحاظ سے میں ہاوس سے درخواست کرونگا کہ اس وقت ہاوس کے سامنے
جو امنڈنگ بل منظوری کے لیے رکھا گیا ہے اور جو صحیح صورت میں ہے اسکو منظور
کرلیا جائے

Mr Speaker I will now put the amendments to vote

The question is

That (1) In line 1 of clause 4 of the said Bill *for* the word *for* *substitute* after

(2) In line 1 of clause 4 of the said Bill *for* the word sections *substitute* section

(3) In line 1 of clause 4 of the said Bill *for* the word substituted *substitute* added

(4) In clause 4 of the said Bill lines 8 to 9 beginning with the figure 4 and the word Throughout and ending with the letters figures and words Rs 500 per month be *omitted*

(5) By way of consequential amendment in clause (*b*) of section 4 of the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act 1952 for the words ' in respect of the maintenance of the residence and the motor car substitute the following namely —

to meet the charges mentioned in sub section (1) of section 44

The Motion was adopted

Mr. Speaker: As these amendments have been agreed to, the other amendments, as they are inconsistent with these amendments, need not be put to vote. Now I shall put the clauses to vote.

The question is:

"That clause 2 stand part of the Bill."

The Motion was adopted.

Clause 2 was added to the Bill.

Mr. Speaker: The question is:

"That clause 3 stand part of the Bill."

The Motion was adopted.

Clause 3 was added to the Bill.

Mr. Speaker: The question is:

"That clause 4 as amended stand part of the Bill."

The Motion was adopted.

Clause 4 was added to the Bill.

Mr. Speaker: The question is:

"That the short title, commencement and preamble stand part of the Bill."

The motion was adopted.

The short title, commencement and preamble were added to the Bill.

Shri Jagannath Rao Chanderki: Mr. Speaker, Sir, I beg to move:

"That L. A. Bill No. XII of 1952, the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries (Amendment) Bill, 1952, be read a third time and passed."

Mr. Speaker: The question is:

"That L A. Bill No. XII of 1952, the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries (Amendment) Bill, 1952, be read a third time and passed".

The Motion was adopted

L. A. Bill No. XIII of 1952, a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith.

Mr. Speaker . Now, we shall take up the next Bill, L A Bill No. XIII of 1952

Shri B Ramakrishna Rao : If I am not mistaken, Sir, I believe certain amendments were given notice of to this Bill on the last occasion when the first reading of this Bill was over.

Mr. Speaker : So far as I remember even the motion for the first reading of L.A. Bill No. XIII of 1952, was not moved

Shri V. D. Deshpande : It was taken up for the first reading and we have submitted our amendments too.

Mr. Speaker : Amendments might have been tabled but at what stage were we then? Let us see the proceedings.

Shri B. Ramakrishna Rao : So far as I remember, Sir, I introduced the Bill and thereafter, I moved for the first reading.

Shri V. D. Deshpande It was only introduced, Sir.

Shri B. Ramakrishna Rao : Was it only introduced and not moved for the first reading? That is all right

Speaker, Sir, I beg to move:

"That L.A. Bill No XIII of 1952, a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith, be read a first time."

Mr. Speaker : Motion moved. Now, there will be general discussion on the principles of the Bill which are the same as that of the original Bill which was passed in the previous Session.

سری وی ڈی دیشپانڈے یہ جو دوسرا بل ہمارے سامنے آیا ہے وہ اس سے پہلے
جو بل پاس ہو چکا ہے اس میں اور اس میں اصولوں کی حد تک کوئی فرق نہیں ہے صرف
ایک دو مسئلے ہیں جنکو سامنے رکھنا چاہتا ہوں اس سے پہلے کے بل میں جب بل
پیش ہوا تھا اس وقت چیف منسٹر کے اور منسٹر دوسرے منسٹروں کے الاؤنس کا
سوال سا تھا اور اب یہ سوال طے کیا گیا تھا کہ ہاؤس منسٹر ہوم منسٹر کیلئے
۔ ویسے مطالبہ کیے جسوقت یہ سوال رکھا گیا تھا ایک امینڈمنٹ پیش کیا گیا تھا
کہ ایک ہی رو میں سامان نہ رکھی جانی چاہیے الکٹرک چارجس و چارجس پٹرول وغیرہ
کیلئے ( ) روپیہ سالانہ کی سالانہ (Side by side) دیے جاسکے
یہ سطرح سارے بار سو کی جائے ایک ہی رو کا امینڈمنٹ پیش کیا گیا تھا لیکن یہ
دونوں چیزیں سالانہ ہی سالانہ رکھی جارہی تھیں

میں ہاؤس کا زیادہ وقت لینا نہیں چاہتا کیونکہ بعض دفعہ ممبرس سمجھ رہے
ہیں کہ چھوٹی چھوٹی چیزوں میں ہم ہاؤس کا نام ویسٹ (Waste) کر رہے ہیں
مگر میں یہ کہونگا کہ چھوٹی چھوٹی چیزوں کے لیے ہاؤس میں لیں لائے جارہے ہیں سکا
بھی خیال رکھنا چاہیے سارے جو سمجھنے میں ہاؤس محض کے طور پر جو ہر روپیہ
کے ہر سب دیے ہوئے ہوں وہ درست نہیں کیے جاسکے حساب لگانا ہے سالانہ بتایا
۱۶ ے روپیہ ماہانہ ہوئے ہیں یہ کچھ زیادہ نہیں زد سب کے لیے جاسکتے تھے
لیکن اس چھوٹے سے خرچہ کو درست نہیں کیا گیا اسلئے ان چھوٹی چھوٹی باتوں پر
کہنا رہا ہے میں اداً عرض کرونگا کہ چھوٹی چیزوں میں بھی اصرار کرنا نہیں چاہتا
مگر خاص روپیہ کے زیادہ دینے یا نہ دینے کا سوال نہیں اور دوں بھی معاً رہی
ہیں جہ ہیں وہ مل کر لیں گے لیکن اور کے اونس کے لحاظ سے بڑی مجھ کو یہ کہنا
رہیگا کہ منسٹرس کو ہاؤس بھی دیا جاتا ہے اور کار اور پٹرول وغیرہ کیلئے الونس بھی دیا
جاتا ہے بمبئی اور مدراس کے لحاظ سے غور کرنا چاہیے کہ یہاں جو دیا جاتا ہے وہ
ٹھیک ہے یا نہیں اسلئے میں کہونگا کہ سلری اور الونس کے بارے میں یہاں جو
اسپرٹ (Attitude) اختیار کیا جارہا ہے وہ ٹھیک نہیں ہے اور جبر
جب کہ ہند کی اسمبلی کے مطابق بھی نہیں ہے مارل اپیل (Moral Appeal) کی
اگر کوئی قیمت ہے تو میں مارل اپیل کرونگا کہ کم سے کم خرچ کر کے ہمارے منسٹری
محسوس کرنا چاہیے کہ عوام کو بس دیں اکانمی (Economy) کے نقطہ نظر سے
اسپرٹ میں ہم جو سوچ رہے ہیں کہ کم سے کم خرچہ کیا جائے اسکی مثال ڈالی جاسکتی
ہے اس رائے کا اظہار کرتے ہوئے میں اپیل کرونگا کہ بمبئی اور مدراس کی طرح اسکو
تبدیل کیا جائے میں امید کرتا ہوں کہ میرے اس مشورے کو منظور کیا جائیگا

مسٹر بی رام کشن راؤ ۔ مسٹر اسپیکر اس بارے میں بحث شروع ہوئی تھی
کہ کیا اس بل میں جو کمی کی گئی ہے وہ ٹھیک ہے یا نہیں۔ اس کے متعلق جو خیالات (Views) ظاہر کیے گئے ہیں ان کے بارے میں
دلایا جاتا ہوں کہ پہلے جو بحث ہوئی تھی اوس طرف سے کہا گیا تھا کہ
یہ کمی کی گئی ہے اور پانچ سو روپیہ مقرر کرنے کے بارے میں کہا گیا تھا
یہ کمی بھی اور کچھ لازم و ملزوم نہیں رکھی گئی تھی ۔ یہ کہا گیا کہ
کمی کی گئی ہے پانچ سو کی بہ مقابلہ ان کے طور پر دیے جاتے مقصود ہیں ۔ یہ
کہا گیا ہے کہ ڈھائی سو روپیہ دوسری جگہ دیے جاتے ہیں لیکن اس کے ساتھ
یہاں کچھ خصوصیات (Peculiarities) ہیں کہ گورنمنٹ نے خالی رکھی
ہیں جہاں منسٹر صاحبان گورنمنٹ کے مکانات ہیں ۔ گورنمنٹ کے پاس
مکانات ہیں ۔ اگر منسٹروں کو یہ دیتا ہے اور بڑی رقم اور جو مکانات ہیں وہ
خالی رہے ۔ لیکن یہ ہوسکتا تھا کہ یہ جو بڑے بڑے مکانات کو وصف کردیا جاتا اور
منسٹروں کے لیے مکانات کو اسی (Occupy) کرلیا ہے وہ خالی کرتے ہوئے
جیسا کہ میرے ایک دوست نے کہا کہ گاندھی آئیڈیل (Gandhian Ideal)
اختیار کریں اور یہ کہنا کہ لنڈن جانے والی آئی ۔ وزیروں نے بھی ایک مثال قائم کی ہے
یہ بھی ہو سکتا ہے کہ منسٹریں آسانی کے ساتھ ایک ہی بلڈنگ کے کمرہ (ایسے فلاٹ)
میں ٹھہر جائیں اور جانے آنے کار کے رکشا کی سواری اختیار کرلیں اور اپنی کا کام
چلائیں ۔ میں رکشا میں بیٹھ سکتا ہوں ، بیٹھ سکتا ہوں لیکن یہ ایک کل طور پر کہا ہے
کہ کیا ایسا ہوسکتا ہے ۔ گورنمنٹ کے مکانات ہیں اور وہ خالی پڑے ہوئے ہیں ان پر منسٹرس
کے اخراجات ہورہے ہیں اور گورنمنٹ برداشت کررہی ہے ۔ اس میں ذمہ داری بھی
رکھا ہے ۔ اگر یہ کہا جاتا ہے کہ مکو چھوڑ دیں اور وزراء ہی گورنمنٹ کی کار بھی
ہے ۔ کار کے بارے میں بھی کہا جاتا ہے کہ زیادہ پٹرول سے سنبھال کر ۔ اگر کم سے کم
سوگیلن پٹرول کی بھی ضرورت سمجھی جائے تو اسکے ساڑھے تین سو روپیہ ہوتے
ہیں ۔ اور اسی طرح الکٹریسٹی اور ملازمین کے ساتھ ہر روپیہ ۔ اگر اون ہی کے بارے
میں دیکھا جائے تو ساڑھے چار سو روپیہ ہوتے ۔ اسکے علاوہ مدد ملتی ہے
اور دوسرے اخراجات ۔ روپیہ زیادہ ہوجاتے ہیں ۔ گویا ساڑھے پانچ سو روپیہ کا
خرچ ہے ۔ ان صورتوں میں کیا یہ ہوسکتی ہے ہم حد چاہیے ہیں کہ ان میں کمی سے کم
خرچ کریں ۔ گورنمنٹ کی ہے ۔ کاریں جو پٹرول (Disposal) میں رکھی
جاتی ہیں ان کے لیے پٹرول ضروری ہے ۔ اگر مانا جائے ایک سو گیلن پٹرول خرچ ہوتا ہو
اس کے (۲۰) روپے ہونگے ۔ الکٹریسٹی اور ملازمین کیلیے اسی طرح میرے ایک
اور دوست نے کہا کم از کم ایک سو روپیہ درکار ہونگے اسطرح ساڑھے چار سو روپیہ

L A Bill No XIII of 1952 a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith

ہو گئے [illegible] رہا ہوں آمدنی اور [illegible] انکے [illegible] روپے [illegible] کے
[illegible] (۵) ہوئے ہیں حساب [illegible] کی زیادتی [illegible] صحیح
[illegible] صاحب [illegible] اور [illegible]
[illegible] معاملہ [illegible] کے لحاظ سے صحیح نہیں ہے یہاں [illegible] خاص
[illegible] گورنمنٹ کے مکانات [illegible] ڈائرکٹ اور گارج [illegible]
[illegible] وہاں [illegible] (मंत्रा) [illegible] اس [illegible]
ہو جاتے [illegible] جاسکتا ہے گاندھین آئیڈیل (Gandhian Ideal)
[illegible] کام ہو سکتا ہے [illegible] رہا ہے [illegible]
[illegible] بڑھتا ہے [illegible] (Changes) [illegible]
پوری [illegible] جاسکے [illegible] ہمارے [illegible] کی وجہ
اس جانب [illegible] گورنمنٹ [illegible] قائم ہوئی ہی [illegible]
[illegible] ہو گئیں [illegible] لیے ہیں کہ [illegible] کے
[illegible] زیادہ ہو گئے مگر [illegible] (۵) روپے [illegible] اس
سے [illegible] رائزنگ انفلیشن (Rising inflation) کے ساتھ ساتھ
[illegible] ہوا ہے کہ [illegible]
[illegible] کے معاملہ [illegible] الاونس
(Sumptuary) [illegible] ضروری [illegible]
ہیں [illegible] بڑھائے ہیں انکا اور [illegible] گورو (गौरव)
زیادہ ہو جاتا ہے اس بل میں [illegible] (۵) روپے الاونس رکھا گیا ہے اس کو ہم نے [illegible]
[illegible] سکتے لیے [illegible] انکا [illegible]
[illegible] اور [illegible] کوشش کرکے [illegible]
حال [illegible] ہوئے ہمارے دوست [illegible] کی طرف
دیکھیں اور ہم کہ [illegible] اچھا ہے [illegible] کیلئے ہی [illegible]
ہیں کہ [illegible] اور الاونس کیلئے آپ کے سامنے [illegible] اور [illegible] کریں کہ تھوڑا سا
اور بڑھائیں اور آپ کہیے رہیں کہ ہم نہیں بڑھاسکتے [illegible] کے لیے [illegible]
(कौशल) [illegible] اور [illegible] کیلئے ۔ [illegible] کاٹ سکے ؟ [illegible]
زیادہ [illegible] کے حساب سے [illegible] کاٹ سکتے ۔ اس سے [illegible] ہونے والی
ہے نہ آپ کی شان [illegible] والی ہے اور نہ ہمارا گورو کم ہونے والا ہے اسلیے میں کہونگا
[illegible] اسٹنٹ کی [illegible] اسکو واپس لے لیں ۔

Mr Speaker The question is

That L A Bill No XIII of 1952, a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the

State of Hyderabad and for matters connected therewith be read a first time

The motion was adopted

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I beg to move

That L A Bill No XIII of 1952 a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith be read a second time

Mr Speaker The question is

That L A Bill No XIII of 1952 a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith be read a second time

The motion was adopted

Mr Speaker We shall now take up the amendments The hon Shri B Ramakrishna Rao to move his amendment

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I do not wish to move the amendment as I am advised that it is unnecessary

Shri Annaji Rao Gavane Mr Speaker Sir I beg to move

That for the figure 700 in line 5 of paragraph (a) of clause 8 substitute the figure 850

Mr Speaker The hon member may move his other amendments to the same clause We shall take up all the amendments together

Shri Anantrao Gavane Mr Speaker Sir I beg to move

That the words fully furnished in lines 1 and 2 of paragraph (*b*) of clause 3 be omitted and

For the figure 500 in line 5 of paragraph (*b*) of clause 3 substitute the figure 200

Mr Speaker Motions moved

Regarding amendments notice of which has been given by Shri Raj Reddy there is one difficulty As there are two separate clauses 3 and 4 I shall have to put them separately for voting Therefore if the hon Member can state which of the amendments pertains to clause 3 and which to clause 4 it will be very convenient

مسٹر اسپیکر راج ریڈی صاحب نے ... [illegible] کلاز ۳ اور ۴ کی جگہ ... کیا ہے

مسٹر اسپیکر کیا آپ دونوں کلازوں کی جگہ ... [illegible] کا استعمال کر رہے ہیں؟ (Substitute)

Shri A Raj Reddy Mr Speaker Sir I beg to move

That for clauses 3 & 4 substitute the following namely —

3 Throughout the term of office the Chief Minister and each of the other Ministers of the State of Hyderabad shall be paid —

(*a*) a house allowance at the rate of Rs 250 I G per month provided that such allowance shall not be paid to any Minister if such Minister is provided by the Government with a furnished house without payment of rent or any assessment tax rate or cess due to Government or any local authority and

(*b*) an allowance for the maintenance of a motor car at the rate of Rs 250 I G per month for purposes of petrol and oil

(*c*) All other charges for the maintenance and upkeep of such residences and motor cars including the cost of repairs

there t the salaries and allowances of the drivers and clean ers of such motor cars rates and taxes and all expenditure for the lay out and the maintenance of the gardens included in such residences shall be borne by Government

مسٹر اسپیکر کلاز ۳ اور ۴ علحدہ علحدہ ووٹ کیلئے رکھیے گے ے
یہ تصفیہ ہوجانے پر پھر کہ کس کلاز کی جانب اب امنڈمنٹ رد ا
جاتے ہیں

شری ایس راج ریڈی کلاز (۳) کی جانب سکہ رکھا جائے اور (۳) لب
ہوگا

مسٹر اسپیکر کچھ رولس ایسے ہیں کہ رہے ہوا کلاز اسکے کی دے
دوبارہ رکھا جاسکتا ہے کچھ اسٹیٹس ہر الفاظ میں ہے اجاتے لیکن ے کہا ہو
Technicalities) میں جا ا ہی جاتا

Motion moved

That for clause 3 the following be substituted namely —

3 Throughout the term of office the Chief Minister and each of the other Ministers of the State of Hyderabad shall be paid —

(*a*) a house allowance at the rate of Rs 250 I G per month provided that such allowance shall not be paid to any Minister if such Minister is provided by the Government with a furnished house without payment of rent or any assessment tax, rate or cess due to Government or any local authority, and

(*b*) an allowance for the maintenance of a motor car at the rate of Rs 250 I G per month for purposes of petrol and oil,

(*c*) All other charges for the maintenance and upkeep of such residences and motor cars including the cost of repairs thereof the salaries and allowances of the drivers and cleaners of such motor cars rates and taxes and all expenditure for the lay out and the maintenance of the gardens included in such residences, shall be borne by Government, and

Clause 4 of the Bill be deleted'

i

(۳) کے اہ سس کے ارے میں د کی

شری ال بی را کو اسطے سمرا کے سری اسٹیٹ ہوا سدسب ں اگا سے ب سب کلارز (۲) کے حسب ا س کے لیے ہ (۵۰) روپے ماہا الوس طلب دا گا ہے س ے (۲۵) کے حصہ روسر کے ہے حہ (۵) روپے اوس اہا طلب کا ہے اگو (۳) کسے ورسایو می ساتھ Fully furnished Residence کے ماہ میں) Fully furnished (کے الفاظ دیلے گے کی کے ہے رہم س اہ اعاب کیلے طلب کی حارجی ہے اسکی وضاحب کلاز (۳) ( ) میں اسطرح لکی ہے

4 (1) The Chief Minister and the other Ministers shall in respect of the respective residences and motor cars allotted for their use under section 3, be liable to pay the following charges namely—

(*a*) cost of petrol and oil required for their respective motor cars

(*b*) charges for the consumption of electricity and water for their respective residences except charges for the consumption of water for their respective gardens and

(*c*) such other minor charges as Government may by general or special order direct

اس د سب کلاز ۲ یہ ہے —

(*b*) each of the other Ministers shall be entitled to the use of a fully furnished residence in the City of Hyderabad without payment of rent and of one Government motor car without payment of any hire and to meet the charges payable by him under the said provisions shall also be entitled to an allowance at the rate of I G Rs 500 per month

اس کلاز کے ذریعہ ہر منسٹر صاحب کے لیے ہ سو روپیہ کا الوس طلب کیا گیا ہے اہ منسٹرس کے لیے (۵) روپیہ لسکس کے دوران میں حف ر صاحب نے یہ کہا کہ چھوٹی چھوٹی ا ل اورسس کی طرف سے اعتراض کیا جاتا ہے اور یہ کہا جاتا کہ اگر کوئی کہیں ہر ہو سکا ہے لیکن ہر یہ بتایا جاتا ہے کہ

---

*Confirmation not received

جب بعض حضرات نے یہ بات کہی کہ اصول (Principles)
ہے ہیں اور حضور ورس کی طرف سے بس کی گئی ہے کی مخالفت کی جاتی ہے
ساتھ ہی کونسل میں ایسا ہی ہوتا ہے لیکن میں سمجھتا ہوں کہ ہماری لا ملی اور
انٹرسٹ ہی کوئی چیز نہیں ہے بلکہ ملک اور لوگوں کے حالات کا بھی لحاظ کرنا
رہا ہے اگر کوئی چیز صحیح معلوم ہو اسکو جاری رکھنا ہے جیسا کہ
چیف منسٹر نے کہا کہ ہمارے یہ مکانات ہیں وہ بھی ہیں لیکن اگر مل
منسٹرس کہیں تو ہم چھوٹے مکان میں رہنے کے لیے بھی تیار ہیں اور ایسا ہی
رہنے کے لیے تیار ہیں لیکن ہم کہتے ہیں کہ دلکشا میں جیسے و کافی
نہیں ہے تا ملک بھا میں رہیں اور ملک بھا کے لائبریری کے چارجس
آپ (۵۰۰) روپیہ والے سب کہتے ہو ہم نے تجھے سکتے اور سب سے زیادہ ہیں
کیونکہ گریٹ ہے ہوئی سی گنٹ ہے وہ ہے اور آنے سے ملے
آرہے ہیں انکو رکھنا مقصد نہیں ہے کہ یہ مکانات ہیں
چاہیے کہ کہ ہمارے ملک کے حالات ہم کو کسی قسم کی (Extravagancy)
کی اجازت نہیں دیتے

دوسرے یہ کہ بمبئی کے معاملہ میں آپکے منسٹرس کی تعداد زیادہ رکھی گئی ہے
اس جگہ پر بھی ہمیں غور کرنا ہوگا ورکنگ کرنی چاہیے بمبئی میں جو منسٹر ہیں

میری سمجھ میں مثال راؤ (مسٹر وی ڈی دیشپانڈے) بمبئی میں منسٹرس سے زیادہ ڈپٹی
منسٹرس ہیں

میری امامی راؤ گوائے صاحب آنریبل ممبر یہ کہہ سکے کہ مدراس میں بھی زیادہ
منسٹرس ہیں جو کہ میں (Criterion) رکھنا چاہیے ہیں ہم اس
کے لیے تیار ہیں لیکن ساتھ ہی میں یہ کہونگا کہ وہاں کے جب کہ دیکھیے وہاں کی
انکم (Income) کو دیکھیے اور جو خرچ وہاں کے منسٹرس
کیا جا رہا ہے اس کا بھی لحاظ رکھیے اگر ہم اسمارے میں کچھ کہیں کہا
جاتا ہے کہ ان منسٹرس کے لیے ہدرس کیا جا رہا ہے اور جو الاونس ادا کر رہے آپ
اٹھائے جا رہے ہیں بمبئی میں جو کچھ ہو رہا ہے وہ حیدرآباد میں آج ہو رہا
ہے لیکن وہاں جو اکاموڈیشن رہی ہے اسکے متعلق ہم کہیں تو سکو نالے کی دست
کی جاتی ہے پر لیکن جب منسٹر صاحب نے یہ بھی کہا کہ ہر ایک لوس سے متعلق
ہاوس میں نصب نہ کی جائے جو اسی جگہ نہ رکھے ہیں رصد کرنے کا موقع
ملے جو الاونس ہم نے مقرر کیا ہے اسکو دیکھا جائے تو معلوم ہوگا کہ ہر سال ہزار
روپیہ کی کمی ہوتی ہے ویل فرنشڈ ہاوس (Well furnished House) انکی

I A Bill No of XII 19 2 a Bill th J d(11, 1)3
to provide for the allowances of
the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith

دیا جا رہا ہے لیکن یہ بتایا گیا ہے کہ کے باوجود بھی ہ ہا (Hire)
جاسکتا ہے سی با کہ بھی دیسٹ کا ہدا

سری کے وی رام کرشن راؤ ہاور (ملک پیٹ) کیلئے اب کرایہ دے رہے ہیں
ہ جب ماں

سری کاشی ناتھ راؤ گو اپنے ہ وزیر کیلئے کوئی الگ الگ بنگلوں کی جائے
گئے ہیں ہ نہ ہیں کیلئے الونس طلب کیا ہے ہی یہ کہ جاکہ انکے ہیں
کیلئے زیادہ سے زیادہ کسی ضرورت ہوں ہے مجھے معلوم ہے گذشتہ مرتبہ ہوتے
کیلئے ۲۰ روپیہ بتلائے گئے تھے ہی وقت چیف منسٹر صاحب نے یہ کہا تھا کہ
مجھے دو نوکروں کی ضرورت ہے اسلئے مجھے زیادہ ہر ل کی ضرورت ہوگی ہی میں کہونگا
کہ ب دوسو ہی ماہ سو روپیہ لیجیے لیکن اب نے (۲۰) روپیہ ہے وہ بھی زیادہ
مانتا ہے کیونکہ اب ٹکس وغیرہ نہیں دیتے

سری جے بی مسالی راؤ انکم ٹکس دیتے ہیں

سری کاشی ناتھ راؤ گوا نے جی ہاں میں جانتا ہوں دھلی ہے لیکن جہاں تک سب
ٹکس دیتے ہیں ہم ہی ر اعتراض نہیں کرتے آپ چاہیں تو اور بھی خرچ داخل
کیجیے تاکہ کام کرنے میں انکو سہولت ہو جیسا کہ میں نے کہا چیف منسٹر کیلئے
۳۰ روپیہ اصل اور نشریل کیلئے رکھے گئے ہیں بمبئی اور مدراس میں بھی ہاور دیا
گیا ہے جہاں بھی ہاور دی ف رینٹ (Free of rent) دیا گیا ہے گر آپ
الونس چاہیے ہیں تو اس کا رینٹ دینے کیلئے تیار ہو جائیے اگر وہ نہیں دینا چاہیے
تو جو اکانمی کمواسنگ ہر وینس میں ہو رہی ہے کمازکم وہ کی جانی چاہیے اگر
ہمارے پاس ڈیفسٹ بجٹ (Deficit Budget) ہوتا تو ہم اسکی
اجازت بھی دیتے اور ہمارے منسٹرس کو دل کھول کر خرچ کرنے کی اجازت دیتے
بجٹ کی اسپیچ میں اونرمل چیف منسٹر نے کہا کہ بجٹ میں ڈیفسٹ ہے اسلئے ٹکسس
لگائے جارہے ہیں ٹکس ان لوگوں پر لگائے جارہے ہیں جو برداشت نہیں کرسکتے اسلئے
میں کہونگا کہ ان چھوٹی چھوٹی باتوں میں اکانمی کریں تو لاکھوں کروروں روپیہ
ہم بچاسکتے ہیں تو کیوں نہ ہمارے منسٹرس اسکی ابتدا کریں

Let us start from ourselves

کیونکہ جب بڑے بڑے سوال آتے ہیں تو لا اینڈ آرڈر اور سب جب بھی خرچ کبھی جاتی
ہیں پولیس کیلئے اتنا بجٹ رکھا جاتا ہے نظام صاحب کیلئے دراورن ہے اسلئے میں
کہتا ہوں کہ اکانمی چھوٹی چھوٹی مدوں سے شروع کی جائے اور وہ بھی اب ہی ہے

کیونکہ آپ عوامی حکومت کے ممبرس ہیں اسلیے میں نے جو کہا ہے اس پر غور کرتے ہوئے اس بل کو واپس لیا جائے

شری اے راج ریڈی مسٹر اسپیکر سر

مسٹر اسپیکر میں نے کچھ دیر تک انتظار کیا کہ کوئی ممبر صاحب جواب دینا چاہتے ہیں تو کریں لیکن کوئی کھڑے نہیں ہوئے اب آپ کھڑے ہوئے ہیں

شری اے راج ریڈی میں سمجھ رہا تھا ہیں نے بعد اب بل پاس کیا جائیگا

مسٹر اسپیکر گورنمنٹ بنچس کی طرف سے ہم نے کافی وقت صرف کیا اور کر رہے ہیں ممکن ہے کہ ان الفاظ سے بعض ارکان ایوان کو کچھ تکلیف ہوئی ہو میں نے محسوس کیا ہے کہ یہ جو بل لایا ہے وہ اس بل (Piecemeal) کے طور پر اور غیر موقع طور پر لایا گیا ہے اسکی ذمہ دار وہ خود ہیں اس میں میں سمجھتا ہوں سائکلاجیکل پوائنٹ (Psychological Point) رکھا گیا ہے وہ یہ کہ پہلے اسپیکر کی سالری اور الاونس کا بل لایا جاتا ہے اور جب وہ منظور ہو جائے تو پھر منسٹرس کی سالریز اور الاونس کا بل لایا جاتا ہے پھر اسکے بعد دوسرے سیشن میں اسپیکر کے ہزار روپیہ کے الاونس کی امنڈمنٹ بھی ہے اسکے منظور ہونے کے بعد منسٹرس کے الاونس کا بل لایا جاتا ہے اس سیشن میں منسٹر اور اسپیکر کے سالریز اور الاونس کے بل ایک ساتھ نہیں لائے گئے اس طرح ایک ساتھ نہ لانے کی وجہ سے ہم کو اور انکو اون کے متعلق سوچنے کا موقع نہیں ملا اور آسانی بھی نہیں ہوئی ایسا ہوسکتا تھا کہ اسکو دوسرے مسودوں کے ساتھ ایک ہفتہ عشرہ کے بعد پیش کیا جاتا میں اسکو اس کے لیے تیار نہیں ہوں کہ سوال کا وقت جانے کے لیے ایسا کیا جا رہا ہے میں یہ کہتا ہوں کہ ہر روزی سحس کی جانب سے جب ہی غور کرکے یہ بل لایا گیا ہے ہم توقع کرتے تھے کہ ہر روزی سحس کی جانب سے ایسا معیار رکھا جائیگا کہ ہم کو غور کرنے کا موقع مل سکے اور یہ کٹ موشن پیش کرنے کی ضرورت ہو میں سمجھتا ہوں کہ تو بیکے ہی مد نظر تو ملحوظ رکھیں تو ٹھیک ہوگا میں نے کلاز (۲) میں جو امنڈمنٹ لایا ہے وہ میری ایجاد نہیں ہے بلکہ مدراس کے الحوسنگ الاونس پر عمل ہو رہا ہے اسی طرح سے میں نے اسکو یہاں رکھا ہے وہاں کے مقابلہ میں ہمارے یہاں تنخواہ زیادہ ہے وہاں دو سو روپیہ الاونس ہے یہاں ڈھائی سو دیے جا رہے ہیں جیسے اخراجات ہیں وہ بھی گورنمنٹ کے ذمہ ہیں میرا امنڈمنٹ لانے کا منشا تھا کہ (۲۰) روپیہ جو تنخواہ ہے وہ وہاں کے مقابلہ میں زیادہ ہے اسلیے اس امنڈمنٹ

کے مد سے ڈھائی سو روپیہ کی بچت ہوگی۔ میری امنڈمنٹ دیکھیں تو معلوم ہوگا کہ
ان میں سے واٹر ٹیکس اور الکٹرسٹی چارجز گورنمنٹ کے ذمہ دیے
ہیں۔ سادہ مکان کا تعلق ہے فلی فرنشڈ ہاؤز (Fully Furnished House)
ں سے فلی فرنشڈ ہاؤز کے لیے امنڈمنٹ پیش کیا گیا ہے۔ اب جہاں تک ٹاپ
کے ... و ... کا تعلق ہے میں سمجھتا ہوں وہ بہت بڑی ہوسکتے ہیں بہر حال
ساری ... کی ... رکھی ہیں باقی اخراجات گورنمنٹ کے ذمہ ہونگے عرض صرف
یہ ہے کہ بل اور پٹرول کے ڈھائی سو روپیہ رکھ کر باقی ۲۵۰ روپیہ گورنمنٹ
کے ذمہ ہم نے کردیا ہے۔ آنریبل چیف منسٹر نے سالریز بل کو پیش کرتے ہوئے
حیدرآباد کے تاریخی حالات پیش فرمائی اور یہ پراویژن لاگو کرنے کے لیے جو
کرنے کی کوشش کی۔ میں کہتا ہوں کہ وہ اسٹرانگ گراونڈس (Strong Grounds)
نہیں ہیں۔ ساتھ ہی ساتھ یہ بھی کہا جا رہا ہے کہ اس امنڈمنٹ کو واپس لے لیا جائے
ہم اسکو ضرور واپس لے سکتے اگر اس میں صاف طریقہ سے اسٹرانگ گراونڈس بتلائے
جائے۔ ہم یہ توقع کر رہے تھے کہ ایسے حالات میں ہمارے امنڈمنٹ کو قبول کرلیا
جائے گا۔ لیکن اب ... کی کوشش نہیں فرمائی ... ضروری ... کی جانب
سے رکھا گیا ... کہ ضرورت پڑے تو ہم رکھنا میں بھی سمجھتے ہیں۔ میں یہ
سمجھتا ہوں کہ ہم اپنے منسٹرس کو رکھنا نہیں ... دیکھنا نہیں چاہتے کیونکہ ہم اپنی
حکومت کی عزت کو بہ لحاظ حالات گھٹانا نہیں چاہتے۔ منسٹرس کی عزت ہماری گورنمنٹ
کی عزت ہے (Cheers) ہمارا منشا یہ نہیں تھا کہ موٹر ... نا ممکن بنا دیا جائے
بلکہ منشا یہ تھا کہ سرکاری طور پر اس کا انتظام ہو۔ یہ ہمارا خیال تھا۔ اسلئے میں
ضروری سمجھتا ہوں ... عرض کرونگا کہ اس امنڈمنٹ کو قبول کرلیا جائے

شری کے. وینکٹ رام راؤ۔ مسٹر اسپیکر سر! ابھی جناب ... یہ کہا جا رہا ہے
کہ یہ معمولی مسئلہ ہے۔ لیکن میں واضح کرنا چاہتا ہوں کہ یہ کوئی ایسا معمولی
مسئلہ نہیں جیسا کہ کہا جا رہا ہے۔ بلکہ اس کا تعلق پوری جنتا سے ہے۔ ہمیں وزراء
میں بہت سی ... ملی ہیں اور اسکے ساتھ عامرہ کی گاڑیاں بھی ملی ہیں۔ لہذا
پٹرول کے لیے پیسے بھی منظور ہو جاسکتے۔ یہ جو عامرہ کی گاڑیاں ہیں وہ
عوام سے وصول کیے ہوئے پیسے کی ہیں۔ لیکن ہم دیکھتے ہیں یہ ... پارٹی
پرپز (Party Purposes) کے لیے استعمال کیجاتی ہیں۔ جہاں کہیں
الکشن ہوتے ہیں جہاں کوئی کانگریس پارٹی کا جلسہ ہوتا ہے وہاں یہ وارد ہوتے ہیں
عامرہ کی گاڑیوں میں بیٹھ کر (جس پر انڈین یونین کا جھنڈا ہوتا ہے) منسٹرس وہاں
تشریف لیجاتے ہیں۔ میں یہ نہیں کہہ رہا ہوں کہ انکی جو گاڑیاں ہیں اس طرح سے
پارٹی پرپز کے لیے استعمال نہ کی جائیں۔ آپ اپنی گاڑی میں گاندھی ٹوپی میں سرجب

* Confirmation not received

لیجا سکتے ہیں اور اسی کار کے دورہ کے لیے جیسا چاہے ویسا صرف کرسکتے ہیں لیکن یہ دیکھا جا رہا ہے کہ ملک کے پیسہ کو کار پرس کےلیے صرف کیا جارہا ہے جنرل الکشن اور میونسپل الکشن کے سلسلہ میں اسکو استعمال کیا جا رہا ہے میں نہیں جانتا کہ جس طرح عہدہ دار ڈائری پیش کرتے ہیں اسی طرح منسٹرس بھی ڈائری پیش کرتے ہیں یا نہیں اس طرح سے میں کہونگا کہ عوام کے پیسے کا جائز استعمال نہیں ہو رہا ہے بلکہ اونکے پیسوں کا غلط استعمال ہو رہا ہے اسکے خلاف پورے عوام احتجاج کرتے ہیں اور اپوزیشن کی طرف سے اس احتجاج کو پیش کرکے ضروری ... یہ امر واضح کررہے ہیں ہر جگہ میں دوسرے ممالک کی نقل کرنے کی کوشش کی جاتی ہے تو کیا دوسرے ممالک میں ایسا ہی کیا جاتا ہے انگلینڈ میں وہاں کا وزیر اعظم اپنی کار کے دورہ کےلیے ہی جاتا کیا استعمال کرتا ہے لیکن منسٹر اپنی کے متعلق میں نے سنا ہے کہ جب کبھی وہ جاتے ہی ڈنر کےلیے جاتے ہیں تو اپنی ذاتی گاڑی استعمال کرتے ہیں اور انکی اہلیہ خود ڈرائیو کرتی ہے لیکن یہاں کا تو بابا آدم ہی نرالا ہے ہر منسٹر کا جانا وہ جائز ہو یا ناجائز ہو ... کرنے کی کوشش کیجاتی ہے میں کہتا ہوں کیوں اپنی ذاتی کار نہیں ... جاتے کیوں اپنے خاندان کی گاڑی اپنے معمول استعمال کرتے ہیں ... کےلیے آپ کو جانا ہو وہاں کیوں اپنے ہی پیسے سے خرچ نہیں کرتے ... کے سلسلہ میں کئی ... ہوچکے ہیں ... اخبار ... میں لکھی ... یہاں ... مال مسالہ کی ضرورت ہوتی ہے لیکن استعمال کرلیا جاتا ہے اسطرح سے ... کے ... میں ور (Misuse) ہورہا ہے اور ہماری اکثر منسٹری ... استعمال کررہی ہے ہم اسکے خلاف احتجاج کرتا ہے کہ ان ہمارے منسٹر اعتراض کے قابل کام کررہے ہیں آپ ... کے لیے ہوئے ... ہیں ... اب ... کام کیوں کرتے ہیں ... نہیں کرتے اب اسکے عادی نہیں ہیں اگر اب اسکے عادی ہوجائے تو ایسا نہیں کرتے

Shrimati Masooma Begum (Shahbanda) Mr Speaker Sir, under clause 2 of this Bill 'Residence includes the staff quarters and other buildings appurtenant thereto and gardens thereof

After this there are charges for the consumption of electricity and water for their respective residences, except charges for the consumption of water for their respective gardens

Lastly as for the allowances I am of the opinion that when we have accepted that the salary and allowances of

the hon. the Speaker should be the same as those of an hon. Minister. I do not see any point in discussing the matter further.

شری ایم نرسنگ راؤ (کلواکرتی عام) مسٹر اسپیکر سر ۔ سیکشن سے پر سیکشن پر میں تھا اور میں ترمیم کرنے کیلئے کوئی نوٹس نہیں دیا تھا لیکن بحث سننے کے بعد یہ احساس ہوا کہ میں بھی کچھ کہوں کیونکہ میں سمجھ نہیں آرہا تھا کہ اس بل کی مخالفت کیوں کیجارہی ہے مخالفت اس وجہ سے نہیں کیجارہی ہے کہ یہ روپیہ زیادہ ہیں بلکہ اس وجہ سے یہ کیجارہی ہے کہ اس میں (Misuse) کر رہے ہیں ہمارے وزراء دورے کرتے ہیں کیونکہ ان کی تقریر سے چند چیزیں ہمارے سامنے آگئی ہیں الاونس کے بارے میں اگر خلاف یہ کہا جاتا تو میں سمجھتا کہ منسٹرس کی تنخواہ کے بارے میں بھی بحث کی جائیگی۔

اب دوسری بات یہ ہے کہ میں اس بل کیلئے کیوں ووٹ دونگا میں ووٹ اس لئے دونگا کہ ملک کا اڈمنسٹریشن چلتا ہے اڈمنسٹریشن چلانے کیلئے ہم کو منسٹرس چاہئیں میں یہ نہیں کہتا کہ ہمارے منسٹرس وائز ہیں افلاطون نے کہا ہے کہ Wise men must rule وائز لوگ کون ہیں وائز لوگ وہ ہیں جو منتخب ہوئے ہیں اور اگر وہ ایسے ہیں تو افلاطون نے کہا ہے کہ انکے لئے اچھی تنخواہ ہونا چاہئے اور دوسرے یہ کہ اگر انکو ہم نے منتخب کیا ہے تو پھر انکو ساتھ دینا چاہئے رولرس کے بارے میں ری پبلک کا ذکر آئے تو افلاطون نے کہا ہے کہ اگر وہ ذمہ داری کا کام کرتے ہیں تو انکو پورا ملنا چاہئے میں سمجھتا ہوں کہ جو لوگ ہمارے ملک کے حالات کے لحاظ سے آسکتے تھے آئے ہیں اور آپ ڈیموکریسی چاہتے ہیں تو آپ کو ڈیموکریسی کا خرچہ بھی ادا کرنا پڑیگا جہاں تک ... کا تعلق ہے بمبئی اور مدراس سے مقابلہ کیا گیا ہے میں نے بھی اس بجٹ کی کاپی اسٹڈی کی ہے اور آپکو بھی کسی میں بھی غور کرنا چاہئے کہ بمبئی اور مدراس کی بجٹ کتنا ہم سے بہت زیادہ ہے انکے دراج رکھئے کیونکہ یہاں کا بجٹ ۳۲ کروڑ کا ہے اور وہاں کا ۶۲ کروڑ کا لیکن اب کمپیر (Compare) کرنے وقت ایسے کمپیر کر سکتے کیونکہ یہ تو نہیں کیا جاسکتا کہ اگر کسی افسر کی تنخواہ وہاں ۸ ہے تو یہاں بھی ۳ روپیہ دیا جائے لیکن ایسا نہیں کیا جاسکتا اگر ہمیں اچھے عہدہ دار سے کام لینا ہے تو انکو ۸ روپیہ ہی تنخواہ دینی پڑیگی میں سمجھتا ہوں کہ ہندوستان کے حالات کا لحاظ کرتے ہوئے گاندھی جی نے ... سے زیادہ تنخواہ ۵۰۰ روپیہ مقرر کی تھی گورنمنٹ آف انڈیا میں منسٹرس کو ۲۲۰۰ روپیہ ملتے ہیں اور سطح ۵۰۰ تھی ہیں الگ الگ دیہاتی ہیں ایسا ہے

* Confirmation not received

L A Bill No XIII of 1952 a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith

یہاں یہ بات ہے منسٹرس کی تنخواہ پر غور کیا جائے میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ پہلے کے منسٹرس کو کیا تنخواہ دی جاتی تھی ایک زمانہ تھا کہ حیدرآباد کے پرائم منسٹر (صدر اعظم) کی تنخواہ دس ہزار روپیہ ماہانہ تھی لیکن جب وہ پرائم منسٹر (Prime Ministership) سے ہٹے تو دو لاکھ کے مقروض ہو جاتے تھے جناب مہاراجہ سر کشن پرشاد کے بارے میں آپ واقف ہیں ... ان کی ... ہیں وجہ سکتے ہیں اسکے بعد پرائم منسٹر کو ۸ ہزار روپیہ تنخواہ دی جاتی تھی اور ... ہزار ڈیڑھ ہزار روپیہ سمپچوری الونس الگ دیا جاتا تھا اور اس طرح منسٹرس کو چار ساڑھے چار ہزار روپیہ یا کم سے کم تین ہزار روپیہ تنخواہ دی جاتی تھی ... حیدرآباد میں رکھنا ایک شان کی چیز ہے کیونکہ حیدرآباد کی مہمان نوازی مشہور ہے یہاں اضافہ تھی اور علاوہ اسکے لئے بھی رکھا گیا تھا ایک وقت تھا جب کہ ... کی گورنمنٹ کا ایک لاکھ دس ہزار روپیہ کا خرچہ ... ہوتا تھا ... ہزار روپیہ تک آگیا ہے ... ہمارے موجودہ ... منسٹر کا کیا خرچ ہے میں نہیں جانتا۔ اسلئے میں عرض کرونگا کہ ہمارے چیف منسٹر اور دوسرے منسٹرس کو ... مقروض کرنا ... ہیں جب کبھی دورہ وغیرہ پر جاتے ہیں تو کچھ نہ کچھ دینا ہی پڑتا ہے ... کو ... کیلئے ... دینا پڑتا ہے ... انعام بھی دینا پڑتا ہے

اور ایک چیز یہ کہی گئی کہ ہمارے منسٹرس ... (Minister) کرتے ہیں اور جب وہ دورہ کرتے ہیں ... پارٹی کے مقصد کیلئے کرتے ہیں ... کر ... کی طرح جاتے ہیں میں سمجھتا ہوں کہ جب منسٹرس دورہ کرتے ہیں ... گورنمنٹ اور اسٹیٹ کے کام پر ہی جاتے ہیں لیکن اسکے ساتھ ہی ... پارٹی میں (Non party men) ... ہیں ایسے جب دورہ پر جاسکتے ... پارٹی کے ... ہی جانا پڑیگا اور وہاں ... (Address) بھی کرسکتے ہمارے منسٹرس صرف ... کاری کاروں میں ہی ... ہیں کہنا غلط ہے کیونکہ میں نے دیکھا ہے کہ جنرل الکشن کے زمانہ میں وہ ذاتی کاروں میں ہی گھومے پھرے

شری وی ڈی دیشپانڈے جنرل الکشن کے بارے میں کیا کہہ رہے تھے

شری ایم ... راؤ - میں نے نہیں دیکھا ... ہوں ... اور ... میں تو صرف جنرل الکشن کے زمانہ میں دیکھا ... ہی کہہ رہا ہوں

ہ میں میں یہ لیہ ہے کہ یہاں ان سب ما لات کو دیکھیے کہ بے وہ یں
(Wise men) جانتے ہیں ۔ ۔ ا ۸ ر ارد ھی دیکھیے ا ھی دیکھے ور
ہمیں ۔ نہی دیکھے

مسٹر ڈپٹی اسپیکر میں اس بل کے بارے میں کچھ کہنا
نہ چاہتا تھا لیکن ابریل ممبر بلوا کر ہے کچھ غلط فہمی پیدا کردی ہے میں اسی
دمہ درونگا پہلے میں یہ عرض کرونگا کہ جو امداد سب ہے وہ پٹرول کے بس دور کے
بس ہی ہے کیونکہ ممبرس اپنی پارٹی کے اس کیلئے دورہ کے سلسلہ میں صرف ہے
ہیں یہ کہا گیا ہے کہ گیلن پٹرول کافی نہیں ہوتا اسلیے جو رقم پٹرول کیلئے دیکی
ہے و ذاتی نہیں ہوسکتی کیونکہ پارٹی پرپز (Party purposes) کے لیے استعمال
ہوتی اس میں اضافہ ہو گیا ہے میں سمجھتا ہوں کہ یہ کوئی بنیاد نہیں ہوسکتی ہماری
بنیاد تو یہ ہے کہ الحواسنگ پراویس ہی بن گیا ہو رہا ہے اور ہم جو اسکو کافی سمجھتے ہیں
مکان تو اس سے بھی بہت کم ہے لیکن آج یہ گورنمنٹ ہے وہ بورجوا گورنمنٹ (Bourgeois
Government) ہے اسلیے انکو بنگلہ چاہیے موٹر چاہیے اور موٹر کیلئے ا
گیلن سے بھی زیادہ پٹرول چاہیے ہم کو مجبور کر دیکھا جائے کیونکہ ہم و جمہوری
پرچھنے والے ہیں ایک زمانہ ایسا تھا کہ عوام دیکھیں گے کہ عوامی وزرا کیسے رہ سکتے ہیں
میں سمجھتا ہوں کہ ہمارے عوامی وزرا گاندھین پرنسپل (Gandhian Principle)
پر چلیں گے ؟ جب یہاں سوشلزم سے بحث کرتا ہوں تو پھر ہمارے عوامی وزرا کا
کس طرح معیار زندگی ان سے ٹکراتا ہے کہ یہ مقابلہ کیا جاتا ہے ؟ ہمارے وزرا
ہیں اور ایک عوام میں سے کمپارزن (Comparison) بھی ہونا چاہیے اس
وجہ سے باڈیلی (Bodily) جو ترمیم امنڈ (Amend) لکھی ہیں اس
درج کیا گیا اور اس میں کلاز (سی) انٹروڈیوس (Introduce) کیا گیا ہے جسمیں
صاف صاف یہ کہا گیا ہے کہ

All other charges for the maintenance and upkeep of such residences and motor cars including the cost of repairs thereof of the salaries and allowances of the drivers and cleaners of such cars rates and taxes and all expenditure for the lay out and the maintenances of the gardens included in such residences, shall be borne by the Government

لہذا اسمیں صاف صاف طور پر ہم سے یہ وضاحت کردی ہے کہ حکومت کہ یہ اخراجات
برداشت کریگی یہ اخراجات کمی میں دیے جانے والے اخراجات سے بھی زیادہ ہیں اور
کی الکٹرسٹی اور ٹیکس کے پورے چارجس بھی گورنمنٹ ہی دیتی ہے اسلیے فی صد اور
کارڈ کے پائر چارجس ۔ الکٹرسٹی اور پٹرول کیلئے ۰ ۲ روپیہ لیجیے اور اگر آپ فی صد

ھاور نہیں لیے تو ۲۰۰ روپیہ لیجیے ہمارے نارمل منسٹرس یہ سمجھتے ہیں کہ ثروت کیلیے ۲۰۰ روپیہ کافی نہیں ہوتے تو میں یہ کہونگا کہ ساڑھے بار سو روپیہ میں بھی خرچ کیجیے کیونکہ اگر کسی وزیر کو پٹرول کی زیادہ ضرورت ... ہیں ہے کہ ساڑھے بار سو کو ہاتھ بھی نہ لگانا ہے اسلیے اسمیں یہ ترمیم ... پرد سب کیجیے میں نے اس سلسلے میں ... کے پرسیڈنس (Precedents) پیش کیے ہیں وہاں ( ) سو کا ڈیمانڈ (Demand) ... بھی ڈیڑھ سو زیادہ ہیں اگر کسی ... کو پٹرول زیادہ لگتا ہے تو ... (मनन) ہے کہ وہ یہ ساڑھے بار سو کو ہاتھ بھی نہ لگائے ... منسٹر ... بھی خرچ کرسکتے ہیں پٹرول کیلیے وہاں دو سو ... ( ) رکھے گئے ہیں اور ڈپٹی منسٹر کیلیے (۳۰) ... کیلیے ... ڈیمو کریسی کا ... آپ کے سامنے ہے تو ... کو ناقابل عمل کیوں معلوم ہوتا ہے دکھ کی بات ہے کہ آنریبل ممبر کلو کری سوڈالرم کے رائے کو سامنے رکھتے ہوئے اسکا مقابلہ کرتے ہیں ہم نہیں کہتے ہیں کہ وہ سوا ... (Wise and just men) ہوں سقراط کو ہم سمجھتے ہیں لیکن کیا ایسے ... اور ... ہیں وہ جب منسٹر ... ہیں تو کیا یہ عیب انہیں کافی نہیں ہے کیا صرف ... کے ذریعہ یہ مقام حاصل ہوسکتا ہے کیا گاندھی جی ایسا ہی محسوس کرتے تھے انکے جو ... ہیں نہیں سمجھنے کی ضرورت ہے ... پرینڈنسس ... صاف بات ہے ... ماحول یہ آنریبل ممبر کلو اکری آئے ہیں وہ محسوس کرتے ہیں کہ ... وہاں کے پرینڈنسس کو ہم نہیں کرسکتے لیکن ہم کہتے ہیں کہ سوڈالرم کے ... ہیں انکو بھی نکالنے کی کوشش ہونی چاہیے اس لحاظ سے ہمیں جو موقع ملا ہے ہمیں اسکو استعمال کرنا ... ہر ... میں سوڈالرم ... اور ... سوڈالرم سے ہمیں نجات حاصل کرنا ہے ہمیں اس کو تبدیل کرنے کے لیے پوری کوشش کرنی ہے ہمارے سامنے ایک طرف سرودے کے آدرش (सर्वदय) ہیں اور دوسری طرف سوڈالرم کے آدرش ہیں ... دیکھنا یہ ہے کہ کون کامیاب ہوتا ہے اب تک تو ہمیں سوڈالرم ہی کامیاب ہوتا نظر آرہا ہے میں خدا کا نام تو نہیں لیتا ہوں مگر ... ہوں کہ سوڈالرم کے آثار جلد سے جلد دور ہو جائیں گے اور ہماری ... رکھے گئے ہیں نہیں ... شخص مان لینگے

ایک اور ترمیم میں ہاوس کے سامنے رکھنا چاہتا ہوں ایک آنریبل ممبر نے بڑے زور و شور کے ساتھ کہا میں یہ نہیں کہتا کہ وہ وکالت کررہے تھے لیکن پھر بھی انہوں نے کہا کہ چونکہ ... ڈرائیورس میں ... زیادہ ہے اسلیے وہاں زیادہ سیلری اور الاونس ہے لیکن ہم نے کہا ہے کہ وہاں ... زیادہ ہے اسلیے یہاں سیلری کم

کی مہ سے ہو یہ مقصد ہے کہ وہاں جتنا تیا جا رہا ہے زیادہ سے زیادہ دیا جائے
میں ہو ی کرے جو صرف کرنے کا مطالبہ جسے میں کہتا ہے کہ ی میں
مجھے تا میں و میں ن ما مری معنی کے کا ن دوبہ ہوگی میں محسوس کرتا
ہوں کہ یہ میں کے ساتھ ایک مہربے کا سوال ہے میں اپیل کرونگا کہ اس جھگڑے
ی سادگی و صد ی کی کا جان ہوئی چاہیے کہ کہ منوٹلر یا مہ گرد ری کے برائے
مخالف کی

مسٹر بی رام کسن راؤ مسٹر سپیکر جیسا کہ میں امید کرتا تھا صرف رہ
حسب ہوئی سکیں میں سمجھتا ہوں وہ مس ل سب ہ ہے س کے لحاظ سے صرف
ہے میں سے کے لیے ہمارے دستوں کا یہ ن ہ ن س طرف کے ل ممبر کا بھی
سے ن ہوں د ن نے بھی سے س زیادہ لکھی ہیں ڈلی جس کی وجہ سے
طولت ہوسکتی تھی بات یہ ہے کہ جو سیشنس میں ہوئے ہیں ان کے بارے میں
میں نے یہی کہا تھا کہ بحث کرنے والے اپوزیشن ممبر ایسے النر ہ و
(Ulterior Motive) سے پیش کیا ہے یہ ان کا مقصد ہو سکتا ہے اور ہو سکتا ہے کہ
ان کا مقصد یہی ہو کہ وہ کابینہ کو لانا چاہتے ہیں لیکن ہو سکتا ہے اس سکی تائید میں
ہ ں ن ی یا یار ودبے (सर्वोदय) کے آئیڈیل (Ideal)
کے م ں سے حل کی گئی ہیں بڑی دلچسپی کے ساتھ ایسے سنا رہا کہ ہمارے دل
د ن کو ودبے کے سدھانت (सुराज) سے اتنا جلد کیسے محبت ہوگئی
یہ دیے سدھانت دوسرے مسائل میں ہیں جیسا جب وائلینس (Violence)
کا سے ہوتا ہے ودبے سدھانت ہیں آتا دوہ سے پولیٹکل پلس میں سرودبے
سے ہاں ہی آتا وہاں تو تک سلی ڈ کر بھی (Peoples Democracy)
دو سب سدھانت اتنا ہے سارے مسائل کو ہی مسلک ہے دیکھا جاتا ہے یہ ودبے
سدھانت کر اتا ہے تو منسٹرس اور ان کی سادگی کے موقع پر آ ل منسٹرس بھی
ڈکو نہیں ہوتا لیکن جب آ ل منسٹرس اور اسکی سیلری پر یہ لاگو ہوتا
ہے میں یہ جان کی بلس میں اس زبان سے سن رہا ہوں جیسے سدھانت سے اتنا ک
محبت ہوگئی ہے (Cheers) مجھے بس تعجب ہو رہا ہے ہم نے تو یہ دیے
سدھانت ہی کو سامنے رکھ کے اپنی اور اسکی سیلری اور الوئنس کا حل پیش کیا ہے
اور میں مانتا ہوں کہ یہ ودبے سدھانت کی حد ضد اندی س پل میں نہیں ہے اور نہ
مجھے اس کا دعویٰ ہے لیکن جن لوگوں کا اس سدھانت پر دل ہی نہیں تک زبان سے
تکی بھی سنا سا ہی ہے جیسے کوئی شخص گاڈ (God) پر بلیو
(Believe) نہیں رکھتا لیکن نام اس کا پکار کر رہا ہو

مسٹر وی ڈی دیشپانڈے کمار کم اب تو کرتے ہیں

سری ی رام کشن راؤ ن لفظ (Unbeliever) کو نہ جن ہیں ء لسی
طور کہ کہا ہے اسکے معنی اور مفہوم ایسے لوگوں د کا معلوم ہمکو ــ
حل می ہو (Cheers) اسکے معنی نہ ہم جان سکے ہیں او جس ہ ک ہم ا کی
یا دی کر سکے ہیں کررہے ہیں اور ہیں حدتک ہیں کر سکے ہے گے رہا ہے کی
کوسس کر سکے ہے ہم جانے ہیں آ نل لفظ ان دی ی دی ب کی حد
ـــ ہیں لگ لی ـــ جسا جانے ہیں ایسا ہی جانے ہیں (Cheers) اب کے دے
سدھان ط ـ نہ دیے ہے ہماری معلومات میں زیادہ اضافہ ہیں ہو ب کی نہ ـــ
تھا ہی معلوم ہوا ہمکا کہ آ ی بمعر دہ کری ـ ے تھا مل ـ سکہ کے میں ـــ
ہی ہ عرص کیا گیا اس ـ تک دھـ کا سہ حل رہا تھا وہی ب من
من ہی کارفرما ہے جیسے سا سمجھے میں کوئی مدسہ ں ہے گ ہ کلی
(Practically) ہم غور کریں ور اصول کو دیکھیں نو کسی ہ کسی ط نہ ـ ہ ہ
لوگ آگیے ہیں وانسر زان اور (Wise or unwise)
ہوارڈ ر ہالی (Reward or Penalty) کے قائل ہیں ہو لوگ آگیے ہیں ہ ہے و
کسی طرینہ سے آـے ہوں ںکو ی داسب کر نا ہرےگا سکے سدا کر ی ور جارہ ہیں
ہے و د سب کیے جانے ہیں نو انکو کام کرنے کےلیے سہولتیں دی جاں ضروری ہیں
ن میں کریں ـ ردے سدھان ہے اور نہ کوی اور بات ہے میں ہے گنسہ سمی
میں حساب جانا تھا میں ـ ے آن یہ صاف طور پر کہا تھا کہ سابقہ منسٹری جس میں
م کانگ سی منسٹرس بھی موجود تھے نکی موٹروں کےلیے پٹرول جلے عامر ـ ے لکا
ہ ح کہ ہ تھا نہ گاڑیاں کچھ ایسی ہیں کہ مل ی گیلن چلتی ہیں ہ طرح
عامرہ کے ح کا حساب دیکھیں تو معلوم ہ گا کہ اوس زمانہ میں (ہ) روـ ی گاڑی
ٹرول کا ہ ح ہوا کرتا تھا جس حساب دیکھا گیا تو معلوم ہو ته سا ہیب روپیہ
ٹرول ہ ح ہو رہا ہے ہیب سا ٹرول خرچ ہو رہا تھا کیونکہ ان گاڑیوں ط حلنا
کچھ س قسم کا ہے کہ نہ ٹرول زیادہ کھا ی ہیں حد میں میں ے ایسے طو ر
تک حد معور کر لی کہ ہی گاڑی کے لیے میں سہ گیلن سے زیاد س ـ ں جی ل تھا
مہ سے کے تجربہ سے معلوم ہوا کہ سو گیلن پیرول عامرہ ـ ہ لے کے بعد بھی دیاہ
تو سو و ہ میں ل کےلیے عہدے ا ی حسب سے خرچ کے ـ رہے سکے بعد و جار ن
منسٹرس جو موجودہ حکومت میں تھے اس ر ـ ار ہوے لسی تھا ( ) گیلن مرہ
کی مدت کا لحاظ رکھے ہ ے الونس میں تعیین کیا گیا استعا س ـ س ب ط ہ ح
ہیں ژتا اگر الونس ان اغراض کےلیے ہ ھ تا نو ممکن ہے کر ڈھاں ـ بھی ی
سمجھے جانے لیکن دیکھنا یہ ہے کہ گیلن پیرول کی قیمت ـ د ہ لے ے ن ـ رو
ہو جاتی ہے اسکے علاوہ اسل کا خرچہ ہے کاریسـس ہے ہ خرچ ایسی ہیں کہ ان

ھ سب کی حسب ذ ھ ے و ں سمجھتا ہوں کہ یہ نہیں ہے ں
سائے کے ں جارہ او دوسرے حد مدت کےلیے سو ر ا گئے ہے
ں گ ھ ے سب ماد خرچ ھ جاتے ہیں لیکن نا صرف سی ہیں د
ب Occupant (کو سے Pay (ذل ں میں سلیے ھو
ں گئے ہے ہیں

سری اماس راؤ گوائے زیاد ہوے ہیں و ھو دینے کےلیے ما ہیں گ ب
سکو حساب ما ں ہو

سری وی رام کس راؤ ہاں اگر آپ دیکھنا چاہیں و میں کو حساب بتا سکتا ہوں
ایا (۲ ۳)گیلن ڈ ل ایا ہے ب تا کہہ سکتے ہیں کہ ہر ب خرچ کیے
جاتے ہوں گے ہی کہہ سکتے ہیں کہ بسک سراب ہو گی کچھ ھ تا ھوگا ملم
اس نسبی جا سکتی ہیں لیکن نا حصہ ہے کہ میرے ہاں (۲ ۳)گیلن کا ل
ہے میں خوب ے کےلیے میں ٹھہرا ہ ھوں

م ۔ ل ں حبرں کےلیے ھی ڈ میں ے دکر کیا ہے ح ۔ روپا لوس
ایدگ ی ے ایک ضرورت محسوس کی اور حسب مسٹر کی ھ ت ے ھ کہ عہو ے
ے ے د ہی معنی ہیں یک گاڑی میں صبح سے سام تک پھر را ہے صبح ھ
ہے ے رات کے گا میرے یک گاڑی سواری میں رہتی ہے سوسل لگ محسس ں بھی
حصہ لینا رہا ہے سلیے حسب مسٹر کے اس ایک گاڑی زیاد رکھنا مناسب سمجھا گیا
یک ط ہ ہ بھی ہوسکتا تھا کہ یک ہی گاڑی رکھی جائے اور جب دوسری گاڑی
کی ضرورت ہو عاریۃ سے لے لی جائے سی طرح عاریۃ کا پٹرول وس گاڑی کےلیے خرچ
کیا جائے لیکن میں یہ دلانا ہوں کہ اگر ایسا کیا بھی جاتا تو س ے کم خرچ نہ
ہوتا اس لیے ایک گاڑی کے گیلن پٹرول کے لیے وساڑھے س سو روپیہ دیے جی
جاتے ہیں س د ے ی گاڑی کےلیے مزید دو سو روپیہ کا مطالبہ پٹرول کے لیے کیا گیا
س ص د گاڑیاں رکھتے ہوئے ساڑھے س سو اور دو سو جملہ ساڑھے اج سو ور
دوسو سو روپیہ مدی مدت کےلیے اس طرح ا سو روپیہ کا مطالبہ حسب سہ کےلیے
لیا گیا ہے سادھا سیدھا حساب ہے ایک ارجنل ممبر نے کہا تھا کہ مسی کےلیے لیں
جاتے جا ں ں سکے ایک دلیل سی اب سمجھا ہوں جب میں سادگی ہے یک حبر ماں
دیا ہمیں تو سادگی ہے فائدہ اٹھا کر آپ نہ کہیں کہ ہم حسابات کی جانچ

سری اماس راؤ گوائے کس نے کہا ہے کہ حسابات نہیں کرے جاسس

سری وی ڈی دیشپانڈے میں سمجھتا ہوں کہ کسی نے نہیں کہا

L.A. Bill No. XIII of 1952 a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith

سری بی رام کسن راؤ گیا ہے

سری اناسی راؤ گوا نے غلط ہے کسی نے ... ہے

سری مرلی کور ہ (... رکی ولد) دلیل باب ... (Unparliamentary) ... ہیں

سری بی رام کسن راؤ ... کرتے ہیں ... (Statement) دیکھ ... معلوم ... لیے کہتے ہیں

سری مرلی گوڑہ کیا دلیل کا لفظ پارلمنٹری ہے

سری بی رام کسن راؤ ... نے کہا ہے باجس کسی نے نہیں ... کی بات دلیل ہے ... کہا ہے کوئی ... ہیں

مسٹر اسپیکر دلیل کا لفظ کسی ممبر کے خلاف ... نہیں ... ہے

سری بی رام کسن راؤ ... نے کسی ممبر کے متعلق ... د ... اب ... ہوں

کہا گیا کہ ... دو ... سے ... معلوم کرکے دکھا ... ہے ... کا ... ہے وہاں ... اور ... کے لیے ... دیا ... ہے ... مطابق ... نہیں ... دی گئی ہیں ... کہ وہاں مکان نہیں دئے ... ہیں ... الاؤنس ... (Pay) کرنے کا سوال نہیں ہے ... دئے ... اسی طرح کار ... دئے جائے ... کے ... کا سوال ... ہوتا ... دوسرے کچھ سکتے ہیں کہ مکانات ور کارس سمجھے ... ہیں ... آگے ہیں ہم لوگ ان مکانات سے نکلکر ... لیے کوئی دوسرا ... رہ سکتے ہیں ... کے ... میں ... سکتے ہیں لیکن ... ہے ... ان ... کی نگہداشت کے لیے ... روپیہ خرچ ہوگا گارڈن ہے مالی ہیں ... ہیں ... خرچ کرنا ہی پڑیگا ان ... پر ... جائے ... صرف ... عرض ... رہا ہے اور ... اعتراض ... ہے کہ ... سکو ... ہیں ... اگر ... چاہتے ہیں ... ضرور ہم انکو دینے کے لیے تیار ہیں ہمکو دو سو روپیہ الاؤنس کی ... ہوگی مگر ہوگا کیا نہ دوسرے طریقہ سے ... مصارف عائد کرنے ہی ... سکے ... ہوسکتی حاصل کرنا مقصود ہو ... نہ ہوسکا ہے کہ دوسرے دروازے سے ہم حاصل ... ہمکو آپکو ... نہیں ہوگی ... ٹور کے ذریعہ لے سکتے ہیں مگر ہم نہ ... چاہتے کہ ایسی باتیں ہوں ایسا ہی ... میں ... ہوا اور آسانی کے ساتھ

منظور کی جا سکتی ہو کہ ... سلسلہ میں مدراس لیجسلیچر ممبر ل کا کلاز (ع) میں پیش کیا
جاتا ہے

The State Government may from time to time provide suitable conveyances for the use of the Ministers, the Speaker and the Chairman subject to such Rules regarding their maintenance and repair as may be made by the State Government.

ہاں یہ کہا گیا ہے کہ سب کو یہ خود رولس بنا کر کنوینس کی سہولتیں دی
گئی ہیں منسٹرس اور ممبرس کے بارے میں رولس بنائے ہیں ایسا کہنا چاہتا ہوں کہ ان
رولس کو دیکھیں دوسری جگہ بھی کنوینس کے رولس بنانے کی سہولتیں دیکھی
ہیں وہاں بھی منسٹرس اور ممبرس کے بارے میں رولس بنانے کا اختیار دیا گیا ہے
یہی بات ... کو پیش نظر رکھتے ہوئے اس ڈیمانڈ کو اسمبلی میں پیش کیا ہے
نہ کوئی ایسی بات نہیں ہے کہ اس میں کسی پارٹی یا ضد کا معاملہ ہو اور نہ میں یہ
کہہ رہا ہوں کہ اس میں کوئی خاص الٹیریر موٹیو (Ulterior Motive) ہے
ایک آنریبل ممبر نے میرے ایک لفظ سے فائدہ اٹھاتے ہوئے غصے میں دور کیا
ہوں نے کہا کہ

مسٹر اسپیکر : آنریبل ممبر نے کہا ہے کہ انہوں نے یہ کہا ہے

سری ہری رام کشن راؤ : گلی پٹرول کے لئے یہ سب کچھ کہا جا رہا ہے لیکن
آنریبل ممبرس کو ... کا علم نہیں ہے جو ممبرس لے رہے ہیں
یہ بات کہی گئی ہے کہ منسٹرس دورے پر جاتے ہیں تو جنرل الکشن کے سلسلہ میں
دورہ کرتے ہیں کیا یہ صحیح جائز ہے میں اسکو مانتا ہوں الکشن کی غرض
الکشن کی خاطر اگر کوئی منسٹر دورہ کرے تو ناجائز ہے خاص الکشن پرپز
(Election Purposes) کے لئے اگر منسٹر کہیں جاتے ہیں تو پارٹی کی گاڑی اور پارٹی
کا پٹرول استعمال کرتے ہیں میں اسکو بھی مانتا ہوں کہ میری پارٹی اتنی مضبوط نہیں
ہے پھر بھی پٹرول کا خرچ برداشت کر سکتی ہے وہ ہرگز اسکو گوارا نہ کرے گی کہ پبلک
فنڈس پر اس کا بار ڈالا جائے ۔

میں ممنون ہوں اپوزیشن کے آنریبل ممبرس کا کہ انہوں نے ... کی لیکن
... نہیں اچھی ہوئی اچھی سپرٹ میں ہوئی میں ان دوستوں سے اپیل کروں گا
کہ وہ اسی سپرٹ کے سبب اس امنڈمنٹ کو ووٹ کے لئے رکھیں مگر واپس لے لیں اور
ساتھ کے ساتھ اس بل کو پاس کریں اگر ایسا ہو تو آپس کے خوشگوار تعلقات کے لئے
ایک نیک شگون ہوگا

Mr Speaker I shall now put the amendments to vote

Shri Annaji Rao Gavane Mr Speaker Sir I want my amendment to be put to vote

Mr Speaker The Question is

That *for* the figure 700 in line 5 of sub clause (a) of clause 8 the figure 850 be substituted

The motion was negatived

Shri Annaji Rao Gavane Mr Speaker Sir I beg leave of the House to withdraw my amendment viz

That the words fully furnished in lines 1 and 2 of sub clause (b) of clause 8 be omitted

The amendment was by leave of the House withdrawn

Shri Annaji Rao Gavane Mr Speaker Sir I want my other amendment to be put to vote

Mr Speaker The Question is

"That for the figure 500 in line 5 of sub clause (b) of clause 8 the figure 200 be substituted

The motion was negatived

Shri A Raja Reddy Mr Speaker Sir I want my amendment to be put to vote

Mr Speaker The Question is

That for clause 8 the following be substituted namely

8 Throughout the term of office the Chief Minister and each of the other Ministers of the State of Hyderabad shall be paid —

(a) a house allowance at the rate of Rs 250 I G per month provided that such allowance shall not be paid to any Minister if such Minister is provided by the Government

with a furnished house without payment of rent or any assessment tax rate or cess due to Government or any local authority and

(b) an allowance for the maintenance of a motor car at the rate of Rs 250 I G per month for purposes of petrol and oil

(c) all other charges for the maintenance and upkeep of such residences and motor cars including the cost of repairs thereof the salaries and allowances of the drivers and cleaners of such motor cars rates and taxes and all expenditure for the lay out and the maintenance of the gardens included in such residences shall be borne by Government

The Motion was negatived

Shri A Raja Reddy Mr Speaker, Sir I beg leave of the House to withdraw my amendment namely

That clause 4 of the Bill be deleted

The amendment was by leave of the House withdrawn

Mr Speaker The Question is

That clause 8 stand part of the Bill

The motion was adopted

Clause 8 was added to the Bill

Mr Speaker The Question is

"That clause 4 stand part of the Bill

The motion was adopted

Clause 4 was added to the Bill

Mr Speaker The Question is

"That Clause 2 (Definitions) stand part of the Bill"

The motion was adopted

Clause 2 (Definitions) was added to the Bill

Mr Speaker The Question is

That the short title commencement and preamble stand part of the Bill

The motion was adopted

The short title commencement and preamble were added to the Bill

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That L A Bill No XIII of 1952 be read a third time and passed

Mr Speaker The Question is

That L A Bill No XIII of 1952 be read a third time and passed

The motion was adopted

The House then adjourned till Two of the Clock on Monday the 7th July 1952